भाद्रपद कृष्ण - 2 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 20 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 11-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 संघ प्रमुख भागवत ने चिकित्सा और शिक्षा के व्यावसायीकरण पर चिंता जताई

6 पुस्तकालयों को उन्नत बनाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग

7 सिर्फ किसी को भाई-बहन कह देने से रिश्ता नहीं बनता : ईशा कोप्पिकर

फर्स्ट टेक

बलूचिस्तान में विस्फोट से ट्रेन के छह डिब्बे पटरी से उतरे, चार लोग घायल

पेशावर/भाषा। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत के मस्तुंग जिले में रविवार को पटरी पर लगे विस्फोटक के चलते जाफर एक्सप्रेस के छह डिब्बे पटरी से उतर गए और चार लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह ट्रेन पेशावर की ओर जा रही थी। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। जाफर एक्सप्रेस को निशाना बनाकर किए गए कई हमलों की सिलसिले में ही यह विस्फोट हुआ है। पाकिस्तान रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि क्वेटा से लगभग 25 किलोमीटर दूर स्पेजैंड रेलवे स्टेशन के निकट ट्रेन में विस्फोट हुआ।

नेपाल 97 सुदूर चोटियों पर चढ़ाई के लिए नहीं लेगा कोई शुल्क

काठमांडू/भाषा। नेपाल पर्वतीय पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपने सुदूर पश्चिमी क्षेत्र की लगभग 100 चोटियों पर चढ़ाई के लिए शुल्क नहीं लेगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हिमालयी राष्ट्र ऐसे क्षेत्रों में पर्वतारोहियों को आकर्षित करना चाहता है, जहां सैलानी कम जाते हैं। इसके मद्देनजर सरकार ने अगले दो वर्षों के लिए करनाली और सुदूरपश्चिम प्रांतों की 97 चोटियों के लिए रॉयल्टी (शुल्क) माफ कर दी है। इन चोटियों की ऊंचाई 5,870 मीटर से लेकर 7,132 मीटर तक की है और सरकार के कदम से सीमित आर्थिक गतिविधि वाले क्षेत्रों में पर्यटकों को आकर्षित होने की उम्मीद है।

सुरक्षा परिषद की बैठक में अमेरिका ने इजराइल का बचाव किया

संयुक्त राष्ट्र/एपी। अमेरिका ने रविवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में इजराइल का बचाव करते हुए कहा कि देश को यह निर्णय लेने का अधिकार है कि उसकी सुरक्षा के लिए क्या सर्वोत्तम है। इसने गाजा में नरसंहार के आरोपों को झूठा बताया। अमेरिका के पास परिषद में वीटो शक्ति है और वह वहां प्रस्तावित कार्यवाही को रोक सकता है। अन्य परिषद सदस्यों और संयुक्त राष्ट्र अधिकारियों ने चिंता व्यक्त की। चीन ने गाजा में लोगों को दी जाने वाली सामूहिक सजा को अस्वीकार्य बताया। रूस ने शत्रुता में बेतहाशा वृद्धि के खिलाफ चेतावनी दी। संयुक्त राष्ट्र मानवीय कार्यालय के रमेश राजसिंघम ने कहा, यह अब भुखमरी का संकट नहीं है; यह भुखमरी है। मानवीय स्थितियां बेहद भयावह हैं। सच कहूं तो इसे बयां करने के लिए हमारे पास शब्द नहीं बचे हैं।

11-08-2025 सूर्यास्त 6:42 बजे | 12-08-2025 सूर्योदय 6:07 बजे

BSE	NSE
79,857.79	24,363.30
(-765.47)	(-232.85)

सोना	चांदी
10,637 रु.	118,456 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आफतकाल का जाल

यह चुनाव का वर्ष बन रहा,
सभी दलों का आफतकाल।
है विपक्ष आपातकाल में,
कोस रहे हो कर बेहाल।
येनकेन कैसे भी हो बस,
गल जाए मतलब की दाल।
फँस जाए वोटर मछली सा,
फेंक रहे बातों के जाल।।

भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रधानमंत्री ने बेंगलूरु मेट्रो चरण-3 परियोजना की आधारशिला रखने और तीन वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने तथा मेट्रो रेल 'येलो लाइन' का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में विभिन्न क्षेत्रों में विकास को रेखांकित किया।

बेंगलूरु/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है और यह गति ''सुधार, प्रदर्शन एवं परिवर्तन'' की भावना से हासिल की गई है।

मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था विश्व स्तर पर 10वें स्थान से बढ़कर शीर्ष पांच में पहुंच गई है और तेजी से शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की ओर अग्रसर है।

प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था पर निशाना साधे जाने के कुछ दिन बाद आई है।

यहां बेंगलूरु मेट्रो चरण-3 परियोजना की आधारशिला रखने और तीन वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने तथा मेट्रो रेल 'येलो लाइन' का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में विभिन्न क्षेत्रों में विकास को रेखांकित किया और कहा कि ऐसी उपलब्धियों ने आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत किया है। उन्होंने कहा, हम दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। हमें यह गति कैसे मिली? हमें यह सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन की भावना से मिली है।

बुनियादी ढांचे के विकास पर प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 में मेट्रो रेल सेवाएं सिर्फ पांच शहरों तक ही सीमित थीं। उन्होंने कहा कि आज, मेट्रो रेल नेटवर्क 24 शहरों में 1,000 किलोमीटर से अधिक तक फैला हुआ है, जिससे भारत विश्व स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बन गया है।

मोदी ने कहा कि आजादी के बाद से, 2014 तक सिर्फ 20,000 किलोमीटर रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण हुआ था। उन्होंने कहा कि 2014 से 2025 तक, केवल 11 वर्षों में यह बढ़कर 40,000 किलोमीटर हो गया है। इसी तरह, 2014 में देश में 74 हवाई अड्डे थे, जो आज 160 से ज्यादा हैं तथा राष्ट्रीय जलमार्गों की संख्या भी केवल तीन से बढ़कर 30 हो गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बड़ी छलांग लगाई है। उन्होंने कहा, 2014 तक, देश में सात अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और 387 मेडिकल कॉलेज थे। अब एम्स की संख्या बढ़कर 22 और मेडिकल कॉलेज 704 हो गए हैं, जो लोगों की सेवा कर रहे हैं।

मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में, देश भर के मेडिकल कॉलेजों में एक लाख से ज्यादा नई सीटें जोड़ी गई हैं।

'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के पीछे भारतीय प्रौद्योगिकी का हाथ

बेंगलूरु/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के पीछे भारतीय प्रौद्योगिकी और 'मेक इन इंडिया' का हाथ था, जिसने कुछ ही घंटों में पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। मोदी ने कहा कि दुनिया ने पहली बार 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत का नया चेहरा देखा, जब उसने पाकिस्तान के भीतर आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने में अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। उन्होंने मेट्रो फेज-3 परियोजना के शिलान्यास समारोह में कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने पहली बार भारत का नया चेहरा देखा, जहां भारतीय सेना ने पाकिस्तान के भीतरी इलाकों में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर उन्हें नष्ट करने और कुछ ही घंटों में पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर करने की क्षमता का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के पीछे हमारी तकनीक और 'मेक इन इंडिया' की ताकत है।

ऑपरेशन सिंदूर में बेंगलूरु की अहम भूमिका

मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में बेंगलूरु और उसके युवाओं की अहम भूमिका थी।

बेंगलूरु की पहचान दुनिया के बड़े शहरों में होने का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को न केवल वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करनी है, बल्कि नेतृत्व भी करना है। उन्होंने कहा, हम तभी प्रगति करेंगे जब हमारे शहर स्मार्ट, तेज और कुशल होंगे। इस संदर्भ में मोदी ने कहा कि उनकी सरकार का जोर आधुनिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, 21वीं सदी में शहरी नियोजन और शहरी बुनियादी ढांचे की बहुत आवश्यकता है और हमें बेंगलूरु जैसे शहरों को भविष्य के लिए तैयार करना होगा।

कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राहुल गांधी को नोटिस जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महिला के दो बार वोट देने के दावे के समर्थन वाले दस्तावेज साझा करें : निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली/भाषा। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नोटिस जारी कर उनसे वे दस्तावेज साझा करने को कहा, जिनके आधार पर उन्होंने आरोप लगाया था कि एक महिला ने दो बार मतदान किया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता को नोटिस जारी किए जाने के तुरंत बाद, निर्वाचन आयोग ने एक बार फिर उनसे कहा कि या तो वे कर्नाटक, हरियाणा और महाराष्ट्र में 'वोट चोरी' के अपने आरोपों को साबित करने के लिए एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करें या फिर ''बेतुके'' आरोप लगाने के लिए देश से माफी मांगें।

राज्य के शीर्ष चुनाव अधिकारी ने गांधी से कहा कि ये दस्तावेज उनके कार्यालय को विस्तृत जांच करने में मदद करेंगे। गांधी ने पिछले सप्ताह संवाददाता सम्मेलन में ये दस्तावेज दिखाए थे।

नोटिस में कहा गया, आपने (राहुल गांधी) यह भी कहा है कि मतदान अधिकारी द्वारा दिए गए रिकॉर्ड के अनुसार, श्रीमती शकुन रानी ने दो बार मतदान किया था... पूछताछ करने पर, श्रीमती शकुन रानी ने बताया है कि उन्होंने केवल एक बार मतदान किया है, दो बार नहीं, जैसा कि आपने आरोप लगाया है। नोटिस में कहा गया है कि सीईओ कार्यालय द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में यह भी पता चला है कि कांग्रेस नेता द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज मतदान अधिकारी द्वारा जारी नहीं किया गया था। इसमें कहा गया है, अतः आपसे अनुरोध है कि वे प्रासंगिक दस्तावेज उपलब्ध कराएं जिनके आधार पर आपने यह निष्कर्ष निकाला है कि श्रीमती शकुन रानी या किसी अन्य ने दो बार मतदान किया है, ताकि इस कार्यालय द्वारा विस्तृत जांच की जा सके।

26 को नौसेना में शामिल होंगे 'उदयगिरि' और 'हिमगिरि' जंगी जहाज

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय नौसेना के 'उदयगिरि' और 'हिमगिरि' जंगी जहाजों का 26 अगस्त को विशाखापत्तनम में एक साथ जलावतरण किया जाएगा। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। 'उदयगिरि' और 'हिमगिरि' प्रोजेक्ट-17ए के तहत भारतीय नौसेना के लिए निर्मित किए जा रहे उन्नत जंगी जहाजों की एक शृंखला का हिस्सा हैं। प्रोजेक्ट-17ए (नीलगिरि श्रेणी) के तहत निर्मित पहले जहाज 'नीलगिरि' को जनवरी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में मुंबई स्थित नौसेना डॉकयार्ड में आयोजित कार्यक्रम में नौसेना के सुपुर्द किया था। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) में निर्मित दूसरा युद्धपोत उदयगिरि एक जुलाई को नौसेना को सौंप दिया गया था। नौसेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि भारतीय नौसेना 26 अगस्त को अग्रिम पंक्ति के दो युद्धपोतों-'उदयगिरि' (एफ35) और 'हिमगिरि' (एफ34) को एक साथ नौसेना में शामिल करने की तैयारी कर रही है।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा

'ऑपरेशन सिंदूर' तीनों सेनाओं के बीच शानदार तालमेल का प्रमाण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' तीनों सेनाओं के बीच शानदार तालमेल का प्रमाण है और उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए लगातार सुधार, समन्वय एवं अनुकूलनशीलता जारी रखने की जरूरत है।

सिकंदराबाद में रक्षा प्रबंधन महाविद्यालय में अपने संबोधन में जनरल चौहान ने बिना विस्तार से बताए संयुक्त क्षमता बढ़ाने के लिए थिएटर कमान के वास्ते एक रोडमैप के बारे में भी बात की।

रक्षा मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में कहा कि संयुक्त आपूर्ति शृंखला और एकीकरण को मजबूत करने के वास्ते जारी प्रयासों के तहत सीडीएस ने एकीकृत आपूर्ति शृंखला के लिए संयुक्त पुस्तिका जारी की।

जनरल चौहान में अपने संबोधन में प्रौद्योगिकी-संचालित आधुनिक युद्ध क्षेत्र में बदलावों से निपटने के लिए सेना में किए जा रहे परिवर्तनकारी बदलावों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने सशस्त्र बलों में तालमेल और एकीकरण पर रणनीतिक दृष्टिकोण साझा किया तथा एकीकृत संचालन के भविष्य के रोडमैप को आकार देने के लिए प्रमुख बिंदुओं को भी रेखांकित किया।

'थियेटराइजेशन मॉडल' के तहत सरकार सेना, वायुसेना और नौसेना की क्षमताओं को एकीकृत करना तथा युद्ध एवं अभियानों के लिए उनके संसाधनों का इष्टतम इस्तेमाल करना चाहती है। 'थिएटरीकरण योजना' के तहत प्रत्येक थिएटर कमान में सेना, नौसेना और वायु सेना की इकाइयां होंगी और ये सभी एक निर्दिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए संयुक्त इकाई के रूप में काम करेंगी।

मौजूदा समय में थलसेना, नौसेना और वायुसेना की अलग-अलग कमान हैं।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि जनरल चौहान ने प्रौद्योगिकी-संचालित आधुनिक युद्ध में हो रहे विघटनकारी परिवर्तनों से निपटने के लिए व्यापक क्षमता विकास, आत्मनिर्भरता और सेना में किए जा रहे परिवर्तनकारी बदलावों की गहन समझ हासिल करने के महत्व पर जोर दिया। मंत्रालय के मुताबिक, सीडीएस ने सैन्य मामलों के विभाग की उपलब्धियों, निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा समितियों की कार्यप्रणाली, संगठनात्मक पुनर्गठन सहित सुधारों के कार्यान्वयन एवं संयुक्त क्षमता बढ़ाने के लिए थिएटर कमान के रोडमैप पर प्रकाश डाला।

रक्षा मंत्री राजनाथ का टैरिफ वॉर पर प्रहार,

भारत का विकास और तेज होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायसेन/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि भारत का विकास हर बाधा को पार करते हुए और तेजी से होगा। इसे कोई भी बाधा नहीं रोक सकती।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के औबेदुल्लागंज के उमरिया में 1800 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली बीईएमएल रेल हब फोर मैन्यूफैक्चरिंग इकाई (ब्रह्मा) की आधारशिला रखते हुए कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर इस बात का प्रमाण है कि भारत स्वदेशी शक्ति से अपने दुश्मनों को परास्त करने में सक्षम है।'

राजनाथ सिंह ने कहा, 'कुछ लोग हैं जो भारत की तेज़ विकास गति से खुश नहीं हैं। वे सोचते हैं 'सबके बॉस तो हम हैं, भारत इतनी तेज़ी से कैसे बढ़ रहा है' और कोशिश कर रहे हैं कि भारत में बनी चीजें महंगी हो जाएं ताकि दुनिया उन्हें न खरीदे। लेकिन मैं पूरे आत्मविश्वास से कहता हूं कि अब दुनिया की कोई ताकत भारत को बड़ी शक्ति बनने से नहीं रोक सकती।' श्री सिंह यहां परोक्ष रूप से डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों का जिक्र कर रहे थे।

रक्षा मंत्री ने कहा कि देश का विकास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में और तेजी गति से विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा।

घेराबंदी

जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवाद-रोधी अभियान रविवार को 10वें दिन भी जारी रहा तथा सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों पर शिकंजा कसने के लिए घेराबंदी और कड़ी कर दी।

तुर्किये में 6.1 तीव्रता का भूकंप

इस्तांबुल/एपी। तुर्किये के उत्तर-पश्चिमी प्रांत में रविवार शाम को 6.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके लगभग 200 किलोमीटर दूर इस्तांबुल तक महसूस किए गए। तुर्किये की आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने कहा कि भूकंप के बाद कई कम तीव्रता के झटके महसूस किये गये, जिनमें से एक की तीव्रता 4.6 थी। एजेंसी ने नागरिकों से क्षतिग्रस्त इमारतों में प्रवेश न करने का आग्रह किया। स्थानीय मीडिया की ओर से जारी खबरों में कहा गया कि भूकंप का केंद्र सिंदिरगी था, जिससे यहां एक इमारत ढह गई।

नेतन्याहू ने गाजा में सैन्य अभियान का बचाव किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/एपी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा के सबसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक में नए सैन्य अभियान का बचाव किया और कहा कि इजराइल के पास काम खत्म करने और हमास को हराने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

गाजा पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक से कुछ मिनट पहले उन्होंने विदेशी मीडिया से बात की।

नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने हाल के दिनों में इजराइली सेना को अधिक विदेशी पत्रकारों को लाने का निर्देश दिया है- जो एक उल्लेखनीय कदम होगा, क्योंकि 22 महीनों के युद्ध के दौरान उन्हें सैन्य ठिकानों के अलावा गाजा में जाने की अनुमति नहीं दी गई है।

नेतन्याहू ने कहा, हमारा लक्ष्य गाजा पर कब्जा करना नहीं है, हमारा लक्ष्य गाजा को आजाद कराना है। उन्होंने यह भी कहा कि इजराइल के खिलाफ वैश्विक स्तर पर झूठा अभियान चलाया जा रहा है।

कांग्रेस ने लोगों से 'वोट चोरी' के खिलाफ अवाज उठाने का आग्रह करते हुए अभियान शुरू किया

नई दिल्ली/भाषा। चुनाव में धांधली के राहुल गांधी के दावों पर बढ़ते विवाद के बीच कांग्रेस ने एक 'वेब पेज' शुरू किया है जहां लोग कथित ''वोट चोरी'' के खिलाफ निर्वाचन आयोग से जवाबदेही की मांग करने और डिजिटल मतदाता सूची की पूर्व पार्टी अध्यक्ष की मांग का समर्थन करने के लिए अपना पंजीकरण कर सकते हैं। कोई भी व्यक्ति इस पोर्टल लिंक पर क्लिक करके ''वोट चोरी का सबूत, निर्वाचन आयोग से जवाबदेही की मांग और वोट चोरी की रिपोर्ट'' डाउनलोड कर सकता है।

'वेब पेज' पर गांधी का एक वीडियो भी है जिसमें वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और निर्वाचन आयोग के बीच मिलीभगत से चुनाव में ''बड़ी आपराधिक धोखाधड़ी'' के अपने विस्फोटक दावों को दोहराते दिख रहे हैं। उन्होंने कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में एक विश्लेषण का हवाला देते हुए इसे ''संविधान के विरुद्ध अपराध'' बताया है।

पोर्टल पर एक संदेश भी है जिसमें कहा गया है, वोट हमारे लोकतंत्र की नींव है, लेकिन इस पर भाजपा द्वारा व्यवस्थित हमला किया जा रहा है, जिसमें निर्वाचन आयोग भी शामिल है।

आरआर नगर में 'संस्कारों का महत्व' कार्यशाला एवं ज्ञानशाला दिवस आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के राजराजेश्वरीनगर के तेरापंथ भवन में साध्वी पुण्ययशा जी के सान्निध्य में रविवार को ज्ञानशाला दिवस का आयोजन किया गया। सुबह राजराजेश्वरी नगर व केंगेरी के ज्ञानार्थी व प्रशिक्षिकाओं ने रैली निकाली। साध्वी पुण्ययशा जी ने अपने उद्बोधन में बच्चों को प्रेरक कहानी के माध्यम से सत्य की राह पर चलने की प्रेरणा दी एवं अभिभावकों से कहा कि बच्चों को सर्वप्रथम संस्कार माता-पिता से ही मिलते है, फिर पाठशाला और ज्ञानशाला से बच्चे संस्कारित होते हैं।

सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने अभिभावकों को अपने बच्चों को ज्ञानशाला भेजने का निवेदन किया। ज्ञानशाला की संयोजिका नीतू बाफना ने सभी का स्वागत किया। केंगेरी ज्ञानशाला की संयोजिका पूनम दक ने भावाभिव्यक्ति दी। बच्चों ने ज्ञानशाला के महत्व व आवश्यकता को प्रतिपादित करते हुए प्रेरक नाटक व गीतिका की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन अमिता छाजेड़ ने किया। सीमा सहलोत ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में तेरापंथ सभा, ट्रस्ट, तेयुप, महिला मंडल के पदाधिकारी एवं अच्छी संख्या में अभिभावकों एवं श्रावक समाज की उपस्थिति थीं।

हर कदम पर जीवों की रक्षा करना ही सच्चा रक्षा बंधन : साध्वी धैर्याश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, विल्सनगार्डन में रविवार को रक्षा बंधन पर प्रवचन देते हुए साध्वी धैर्याश्री ने कहा कि जैन साधु-साध्वी अपने व्रत, संयम और सावधानीपूर्ण आचरण से प्रत्येक प्राणी की रक्षा करते हैं। उनका हर कदम, हर शब्द और हर क्रिया जीवों को अहिंसा का संरक्षण प्रदान करती है। रक्षा बंधन का वास्तविक अर्थ है किसी की रक्षा का संकल्प लेना। साधु-साध्वी तो हर पल अहिंसा के सूत्र में बंधकर संपूर्ण सृष्टि के प्राणियों को अभयदान देते हैं। सभी जीव जीना चाहते हैं, कोई भी मरना नहीं चाहता। हमें उन सभी के रक्षक बनना चाहिए।

साध्वी आगमश्री ने कहा कि धर्म केवल वाचन या श्रवण तक सीमित न रहे, बल्कि हमारे विचार, व्यवहार और स्वभाव में स्पष्ट झलके। वाणी में मधुरता और सत्य, हृदय में करुणा, तथा आचरण में संयम और नैतिकता ही सच्चे साधक के लक्षण हैं।

उन्होंने कहा कि यह मानव जन्म अनंत पुण्यों के उदय से मिला अनुपम अवसर है। समय किसी के लिए रुकता नहीं, इसलिए हर क्षण का सदुपयोग आवश्यक है। यदि हम अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहते हैं तो धर्म, आत्मचिंतन और पुरुषार्थ के मार्ग पर दृढ़ता से आगे बढ़ना होगा। प्रवचन के पश्चात भाई बहनों ने रक्षा सूत्र बाँधकर रक्षा बंधन पर्व मनाया। संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने सभी का स्वागत किया। अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने आभार व्यक्त किया। मंत्री सज्जन बोहरा ने संघ के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु प्रवास पर आए सुमेरपुर कांग्रेस कमेटी के महासचिव भुराराम सीरवी के सम्मान में रविवार का कग्गदासपुरा सीवी रमननगर के प्रवासियों ने गेट दुगेदर कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर कालूराम वैष्णव, प्रकाश सुथार, वालाराम सीरवी, रमेश कुमार, कैलाश प्रजापत ने सीरवी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

संतों के गुण स्मरण करने से होता है पुण्यों का उपार्जन : संत ज्ञानमुनि

यलहंका में मनाई गई मरुधर केसरी व रूपमुनि की जयंती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संत ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में रविवार को मरुधर केसरी मिश्रीमलजी की 135वीं व लोकमान्य संत रूपचंदजी की 97जयंती व 7वीं पुण्यतिथि मनाई गई। महापुरुषों का गुणगान करते हुए ज्ञानमुनिजी ने कहा कि तीर्थ करने के लिए कोई गंगा जाता है तो कोई चार धाम जाता है। तीर्थ का एक फल मिलता है। लेकिन अगर संत मिलते हैं तो उसका चार गुना फल मिलता है। संत के मिलने से सभी प्रकार की दुविधा दूर हो जाती है। लेकिन अगर सतगुरु मिले तो अनंत फलों की प्राप्ति होती है। कोई मार्ग दिखाने वाला मिल जाए तो सभी प्रकार की दुविधा दूर हो जाती है। ऐसे ही महापुरुषों को आज याद करने का दिन आया है। गुरु के दिखाए मार्गों पर चलने वाला अपने बंध कर्मों से मुक्त हो सकता है।

मुनिश्री ने कहा कि ऐसे मौके मनुष्य को सही मार्ग दिखाने के लिए ही आते हैं। महापुरुषों ने अपने जीवन में क्या किया है, उसे सुन कर जीवन में बदलाव करना चाहिए। ऐसा करने से मनुष्य अपने वर्तमान के साथ ही आने वाले भवों को भी सफल बना सकता है। साधु, संत मनुष्य को हर वक्त सही मार्ग दिखाते हैं। अगर उस मार्ग पर चला जाए तो निश्चित ही मनुष्य का कल्याण हो सकता है।

मनुष्य जन्म मिला है तो उसे भजन कीर्तन करके सफल बना लेना चाहिए। गुरुदेवों के स्मरण का जब भी मौका मिले तो उसे सुनकर आत्मसात कर लेना चाहिए। मनुष्य को सही मार्ग पर पहुंचाने के लिए ही महापुरुषों की जयंती मनाई जाती है। ऐसे महान लोगों के बारे में सुनने के लिए भी पुण्यवान होना जरूरी है। संतश्री ने कहा कि सभी को याद नहीं किया जाता है अपितु याद उन्हीं को किया जाता है जिनमें कुछ बात होती है। आज मनुष्य सुंदरता में उलझ गया है। लेकिन याद रखना सुंदरता जरूरी नहीं है, बल्कि कर्तव्य जरूरी है। इंसान के तन की सुंदरता का महत्व नहीं है, बल्कि उनके व्यवहार की सुंदरता महत्वपूर्ण होती है। ऐसे लोग जब जाएंगे तो दुनिया उनको याद करेगी। इसलिए हम आज ऐसे महापुरुषों को याद करते हैं। इस मौके पर अशोक कुमार बोहरा केजीएफ, उत्तमचंद कोठारी चिक्कबलापुर, उगमराज लुणावत, मानिकचंद खारीवाल, प्रेमचंद कोठारी, नेमीचंद चौरडिया, मंगलचंद मुणोत, मांगीलाल चोरड़िया, जयंतीलाल अखावत, राकेश कोठारी, अल्केश धोका एवं अन्य लोगों की विशेष उपस्थिति रही। सभी का स्वागत संघ के संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

संस्कारों से ही नई पीढ़ी विकास की ओर अग्रसर होगी : साध्वी सोमयशा

यशवंतपुर में ज्ञानशाला दिवस का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन यशवंतपुर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सोमयशाजी के सान्निध्य में रविवार को ज्ञानशाला दिवस का आयोजन किया गया। यशवंतपुर, दासरहल्ली ज्ञानशाला की प्रशिक्षिकाओं द्वारा ज्ञानशाला गीत का संगान किया गया। सभा के अध्यक्ष सुरेश बरड़िया ने सभी का स्वागत किया। यशवंतपुर ज्ञानशाला के प्रशिक्षुकों ने भिक्षु दृष्टांत नाट्य रूपान्तरण किया गया।

साध्वी सोमयशाजी ने कहा कि युग का भविष्य भावी पीढ़ी पर आधारित होता है, जिस युग की नई पीढ़ी जितनी संस्कारी होगी उतना ही विकास की ओर अग्रसर होगा। बच्चों का जीवन सफेद कागज के समान हैं उस पर चाहे जैसा चित्र उकेरा जा सकता है। बच्चों को जिस दिशा में मोड़ना चाहे उस दिशा में मोड़ा जा सकता है, इसलिए ज्ञानशाला के माध्यम से बचपन में जो संस्कार डाला जाता है। भविष्य में उसका प्रतिबिम्ब साकार होता है, कार्यक्रम की गरिमा को ध्यान मे रखते हुए बच्चो को छोटे छोटे अनेक संकल्प करवाए। साध्वी सरलयशा जी ने कहा की गणाधिपति तुलसी के सपने को साकार करना है, ज्ञानशाला संस्कारो का निर्माण कराती है, कंकर से शंकर बनाती है, ज्ञानशाला के शब्द की महत्त्व को उजागर करते हुए बताया कि बच्चे और अभिभावक को डिप्रेशन से बचाने के लिए ज्ञानशाला सही जगह है। महासभा के प्रकाश लोढ़ा ने कहा कि सभा का प्रथम दायित्व है कि सभा प्रत्येक परिवारों तक पहुंचकर बच्चों को संस्कारों से सिंचित करने वाली ज्ञानशाला की ओर आकर्षित करवाना और बच्चों को समुचित व्यवस्था प्रदान करना। दक्षिण कर्नाटक आँचल के प्रभारी माणक संचेती ने पूर्व प्रशिक्षकों के योगदान को सराहा। सभा क; प्रभारी नवनीत मुथा,राजाजीनगर सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी, टीपीएफ से दिव्या दक ने अपने अनुभवों को साझा किए। युवक परिषद के अध्यक्ष धर्मेश डूंगरवाल, महिला मंडल की मंत्री टीना पितलिया व ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं का पूरा सहयोग मिला। यशवंतपुर और दासरहल्ली ज्ञानशाला के बच्चे सभा भवन से मेवाड़ भवन तक ज्ञान रैली निकाली। संचालन ज्ञानशाला की संयोजिका मीनादक ने किया। सभा के मंत्री अनिल दक ने धन्यवाद दिया।

मुंबई : महिला चालक को रक्षाबंधन के उपहार के रूप में मिला नया ऑटोरिक्शा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। सारिका मिस्त्री के लिए इस वर्ष रक्षाबंधन विशेष रहा, क्योंकि उन्हें एक परोपकारी व्यक्ति से एक ऑटोरिक्शा उपहार स्वरूप मिला। यह ऑटोरिक्शा अब उन्हें वित्तीय स्वतंत्रता और आय का एक स्थिर स्रोत सुनिश्चित करेगा, जिससे उनकी बेटियों का भविष्य सुरक्षित होगा।

मुंबई के पश्चिमी उपनगर अंबोली की निवासी सारिका ने अपने पति (जो स्वयं भी ऑटोरिक्शा चलाते थे) को कैंसर होने का पता चलने के बाद कुछ महीने पहले ऑटोरिक्शा चलाना शुरू किया था। एक नियमित कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी डॉ. अनील काशी मोरारका से हुई मुलाकात ने उनकी जिंदगी बदल दी। डॉ. मोरारका ने शनिवार को अंधेरी के लोखंडवाला इलाके में सारिका को नया वाहन सौंपा, जहां वह नियमित रूप से काम करती हैं। उन्होंने मोरारका को राखी बांधकर अपना आभार व्यक्त किया और उन्हें बड़ा भाई कहा। उन्होंने कहा कि इस उपहार ने त्यौहार के अवसर पर उनका सबसे बड़ा सपना पूरा कर दिया है।

सारिका किराये पर ऑटोरिक्शा चलाती थी, लेकिन किराया देने में ही उनकी दैनिक कमाई खत्म हो जाती थी, जिससे उनके पास घर ले जाने के लिए बहुत कम पैसा बचता था।

जम्मू-कश्मीर में नेताओं के राष्ट्र की मुख्यधारा में शामिल होने से दशकों पुराना अलगाववाद चरमराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के कई पूर्व अलगाववादी नेता अब सार्वजनिक रूप से अपने पुराने संबंधों से पल्ला झाड़कर भारत के प्रति निष्ठा की शपथ ले रहे हैं। यह एक ऐसा चलन है जो 1990 के दशक की शुरुआत में उनके रुख में एक बड़े बदलाव को दर्शाता है, जब वे अक्सर आतंकवादियों के दबाव में सरकार से अलग हो जाते थे।

यह बदलाव इस साल की शुरुआत में शुरू हुआ जब 15 से अधिक लोगों ने भारत और उसके संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की घोषणा करने के लिए शपथ पत्र जमा किए और अखबारों में सार्वजनिक विज्ञापन दिए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम नहीं प्रकाशित करने की शर्त पर कहा, हमें पूर्व अलगाववादियों से कई आवेदन मिले हैं, और हर किसी का मूल्यांकन राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में उनकी संलिप्तता के आधार पर किया गया। उन्होंने कहा कि अगर कोई अलगाववादी किसी 'जघन्य अपराध' में शामिल है, तो हम कानून को अपना काम करने देंगे।

संविधान के प्रति प्रतिबद्धता जताने वाले प्रमुख नेताओं में डीपीएम के मोहम्मद शफी रेशी (दिवंगत सैयद अली गिलानी के पूर्व करीबी सहयोगी) और जम्मू-कश्मीर पीपुल्स मूवमेंट के अध्यक्ष शाहिद सलीम शामिल हैं। 'जम्मू-कश्मीर साल्वेशन मूवमेंट' के संरक्षक जफर अकबर भट की पत्नी नीलोफर अकबर भट ने सार्वजनिक रूप से अपने परिवार को अलगाववादी समूह 'ऑल पार्टीज हुर्रियत कॉन्फ्रेंस' (एपीएचसी) से अलग कर लिया है। इसी तरह 'जम्मू-कश्मीर मास मूवमेंट' की अध्यक्ष फरीदा बहनजी ने भी औपचारिक रूप से खुद को और अपने संगठन को अलगाववादी समूहों से अलग कर लिया है और एक हलफनामे में कहा है कि उनका एपीएचसी या इस तरह के मंचों से कोई संबंध नहीं है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के पूर्व महानिदेशक कुलदीप खोड़ा का मानना है कि ये घटनाक्रम अलगाववादियों को घेरने की एक सुनियोजित कोशिश का नतीजा है। खोड़ा ने कहा, इन अलगाववादियों को अंततः पाकिस्तान की आईएसआई का 'पिंजरे में बंद तोता' बनने की निरर्थकता समझ में आ गई है। उन्होंने आगे कहा, अब उन्हें सद्धबुद्धि आ गई है और वे सीमा पार से फैलाई जा रही हिंसा और दुष्प्रचार का हिस्सा नहीं बनना चाहते। सरकार ने आतंकवाद और अलगाववादी गतिविधियों के प्रति अपनी 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की नीति के अनुरूप, कई संगठनों को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत प्रतिबंधित कर दिया है, जिनमें तहरीक-ए-हुर्रियत, मुस्लिम लीग जम्मू कश्मीर (मसरत आलम समूह), जमात-ए-इस्लामी, जम्मू और कश्मीर (जेईआई) और अब्दुल गनी भट की अध्यक्षता वाली मुस्लिम कॉन्फ्रेंस शामिल हैं।

माहेश्वरी भवन में मनाया गया 'सावन का सिंजारा'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के माहेश्वरी महिला संगठन ने माहेश्वरी भवन में 'सावन लाया है सिंजारा का त्योहार' का आयोजन किया जिसमें मुख्य आकर्षण कला कचोलिया द्वारा चिरमी का खेल तथा कौशल्या सारड़ा द्वारा खिलाए मनोरंजक खेल रहे। सभी विजेताओं को पुरस्कार दिया गया। सिजारा कार्यक्रम में सबसे पहले झूले पर बैठे लड्डु गोपाल की पूजा अध्यक्षा श्वेता बियाणी, सचिव निर्मला काँकाणी, सावित्री मालू, बिमला साबू, सुशीला राठी, विजयलक्ष्मी सारड़ा, कान्ता काबरा ने की। इस मौके पर विभिन्न सदस्याओं ने नृत्य, कविता पाठ, गायन आदि से अपनी अपनी प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में वरिष्ठ महिला सदस्याओं ने भी उत्साह से सभी कार्यक्रमों में भाग लिया। सभी विजेताओं कोपुरस्कार दिया गया। गायत्री मालपानी ने धन्यवाद दिया।

गांधीनगर तेरापंथ भवन में दीक्षार्थी प्रीत कोठारी का हुआ अभिनंदन समारोह

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के तेरापंथ भवन गांधीनगर में मुनि डॉ पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में दीक्षार्थीप्रीत कोठारी का अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस अवसर पर मुनि श्री ने कहा कि संयम का भाव मन की प्रसन्नता को बढ़ाने वाला होता हैं। जैन मुनि दीक्षा ग्रहण करने का अर्थ है अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य तथा अपरिग्रह रुपी महाव्रतों को जीवन भर के लिए स्वीकार करना। साधु जीवन अर्थात सुविधा को त्यागना और अध्यात्म सुख को प्राप्त करना।

मुनिश्री ने कहा कि जिस सिंहवृति से त्यागी जीवन की शुरुआत करने जा रहे हो, उसी उच्च भावना से गुरु दृष्टि की आराधना तुम्हें करना है। गुरु की दृष्टि में ही शिष्य की सृष्टि होती हैं। मुनिश्री ने माता संगीता तथा पिता नरेश कोठारी को साधुवाद दिया कि उन्होंने इकलौता पुत्र होते हुए भी मुनि दीक्षा की आज्ञा दी। मुनि आदित्य कुमार जी ने भाव प्रस्तुत किया।

ज्ञानशाला दिवस के उपलक्ष्य में ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं ने गीतिका प्रस्तुत की। शेषाद्रीपुरम ज्ञानशाला एवं ओखलीपुरम के ज्ञानार्थी बच्चों ने दीक्षार्थी के प्रति मंगल भावना करते हुए संवाद प्रस्तुत किया। तेरापंथ महिला मंडल की मंत्री विजेता रायसोनी, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, रामसिंह गुड़ा के अध्यक्ष गौतम गादिया ने स्वागत किया।

भंवरलाल गादिया ने अभिनंदन पत्र का वाचन किया । जुगराज श्री श्रीमाल ने बताया कि ज्ञानशाला गांधीनगर से शिक्षित प्रीत कोठारी के रूप में यह 21वीं दीक्षा तेरापंथ धर्मसंघ में होने जा रही है । दीक्षार्थी प्रीत ने सभी पारिवारिक जनों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने किया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष प्रकाश कटारिया सहित विभिन्न सभा संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे।

भारत हमारे लिए बहुत ही खास बाजार: मलेशिया एयरलाइंस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मलेशिया एयरलाइंस बेरहद के प्रबंध निदेशक इज़म बिन इस्माइल ने कहा है कि भारत उनके लिए एक बहुत ही खास और दिलचस्प बाज़ार है। उन्होंने कहा कि विमानन कंपनी भारत को दुनिया से जोड़ने वाली एक प्रमुख सेवा प्रदाता के रूप में अपनी जगह बनाना चाहती है।

इज़म बिन इस्माइल ने यह भी साफ किया कि उनकी कंपनी भारत में एक विदेशी एयरलाइन के रूप में ही काम करती रहेगी और किसी भी भारतीय कंपनी के साथ मिलकर संयुक्त उद्यम बनाने की उनकी कोई योजना नहीं है। इज़म ने कहा कि भारत, मलेशिया एयरलाइंस के लिए सबसे ज्यादा कमाई करने वाला देश है। फिलहाल कंपनी भारत के 10 शहरों के लिए हर हफ़्ते 77 उड़ानें चलाती है, और जल्द ही इसे बढ़ाने की योजना है। भारत के बाद सबसे ज़्यादा कमाई ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन से होती है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, भारत की अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, यहां 1.4 अरब लोग हैं और करीब 100 हवाई अड्डे हैं। यहां का मध्य वर्ग भी बढ़ रहा है, जिसके पास खर्च करने के लिए पैसा है। इसलिए भारत हमारे लिए बेहद खास बाज़ार है।

कडप्पा पुलिस ने लाल चंदन तस्कर को गिरफ्तार किया, 1 टन से अधिक लकड़ी जब्त

कडप्पा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। जिले में लाल चंदन तस्कर नागा दस्तगिरी रेड्डी और पांच अन्य को गिरफ्तार किया गया तथा चंदन की लकड़ी के 1,087 किलोग्राम वजन के 52 लट्ठे जब्त किए। पुलिस ने यह जानकारी दी। ये गिरफ्तारियां नौ अगस्त को 'रेड सैंडर्स एंटी-स्मगलिंग टास्क फोर्स' और चपड़ू गांव पुलिस द्वारा संयुक्त अभियान में की गईं। तस्करी के सामान की ढुलाई में इस्तेमाल दो कारें और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। पुलिस ने बताया कि आरोपियों में दस्तगिरी रेड्डी के अलावा उसके साथी राम मोहन रेड्डी, कृष्णय्या, श्रीनिवासुलु, ओबुला रेड्डी और बालगंगी रेड्डी शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक ई.जी. अशोक कुमार ने बताया, दस्तगिरी रेड्डी पहले एक अति वांछित लाल चंदन तस्कर था।

सहयोग

शिक्षक सेवा संघ चिकमगलूर द्वारा टीएमएस विद्यालय के सभागार में नोटबुक्स वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री सी टी रवि ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा के क्षेत्र में महेंद्र मुणोत के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया। विद्या सुरक्षा योजना के तहत महेंद्र मुणोत ने विद्यार्थियों के लिए अभ्यास पुस्तिकाएं लेने पहुंचे विभिन्न सरकारी विद्यालयों के 200 से भी ज्यादा शिक्षको को पुस्तिकाएं वितरित की गई।

मोदी ने तीन 'वंदे भारत एक्सप्रेस' रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाई

बेंगलूरु से बेलगावी तक वंदे भारत एक्सप्रेस को किया रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को बेंगलूरु में तीन 'वंदे भारत एक्सप्रेस' रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाई। बहुप्रतीक्षित बेंगलूरु–बेलगावी 'वंदे भारत एक्सप्रेस' को मोदी ने स्वयं हरी झंडी दिखाई तथा श्री माता वैष्णो देवी कटरा–अमृतसर और अजनी (नागपुर)–पुणे वंदे भारत सेवाओं की शुरुआत डिजिटल माध्यम से की। अधिकारियों ने कहा कि ये ट्रेन क्षेत्रीय संपर्क में उल्लेखनीय रूप से इजाफा करेंगी, यात्रा समय को कम करेंगी और यात्रियों को ''विश्वस्तरीय'' यात्रा का अनुभव प्रदान करेंगी। इस मौके पर कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सहित अन्य लोग उपस्थित थे। प्रधानमंत्री का काफिला जब रेलवे स्टेशन की ओर बढ़ा, तो सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में एकत्र लोगों ने ''मोदी, मोदी'' के नारे लगाकर उनका स्वागत किया। मोदी ने भी अपनी कार के अंदर से हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। बेंगलूरु–बेलगावी वंदे भारत एक्सप्रेस कर्नाटक में संचालित होने वाली 11वीं वंदे भारत सेवा होगी।

शिवकुमार ने प्रधानमंत्री से बेंगलूरु में बुनियादी ढांचे के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये की मदद मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बेंगलूरु में प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देने का आग्रह किया। शिवकुमार ने बेंगलूरु मेट्रो के तीसरे चरण की आधारशिला रखने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को धन की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए एक पत्र सौंपा। उन्होंने कहा, ''चूंकि कर्नाटक देश में दूसरा सबसे अधिक कर देने वाला राज्य है, जो राष्ट्रीय खजाने में प्रतिवर्ष लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपये का योगदान देता है, इसलिए मैं भारत सरकार से अनुरोध करता हूं कि वह दिल्ली के समान ही बेंगलूरु को भी वित्तीय सहायता प्रदान करे, जिससे यह शहर वास्तव में एक वैश्विक महानगर के रूप में उभर सके।''

शिवकुमार के अनुसार, शहरी सुरंगों, बेंगलूरु व्यावसायिक गलियारे, एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्रों, मेट्रो लाइनों के साथ एलिवेटेड सड़कों, फ्लाईओवर, अतिरिक्त पेयजल परियोजनाओं, वर्षा जल नालों के ऊपर नयी सड़कों और क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम' (आरआरटीएस) के निर्माण के लिए अनुमानित 1.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता होगी। प्रधानमंत्री को संबोधित पत्र की एक प्रति रविवार को मीडिया प्रतिष्ठानों को भी भेजी गई, जिसमें वित्त पोषण की आवश्यकता वाली परियोजनाओं पर एक विस्तृत नोट भी शामिल है।

बेंगलूरु-बेलगावी वंदे भारत ने ट्रेन यात्रा को 80 मिनट कम कर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेलगावी और बेंगलूरु को जोड़ने वाली वंदे भारत ट्रेन इस मार्ग पर सबसे तेज चलने वाली ट्रेन है जो इस यात्रा के समय को 80 मिनट कम कर देगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बेंगलूरु में शुरू की गई तीन ट्रेन में से एक है, जिसे रविवार को हरि झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

यह ट्रेन अपने शीर्ष मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों के लिए पहचाने जाने वाले बेलगावी को राज्य की राजधानी एवं भारत की ''सिलकॉन वैली' बेंगलूरु से जोड़ेगी। जिससे आर्थिक और शैक्षिक अवसरों को बढ़ावा मिलेगा तथा यह मार्ग कर्नाटक के समृद्ध गन्ना क्षेत्र और धारवाड़, हुब्बल्ली, हावेरी, दावणगेरे एवं तुमकुरु जैसे प्रमुख शहरों से होकर गुजरता है। धारवाड़ अपने प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के लिए प्रसिद्ध है, वहीं हुब्बल्ली एक संपन्न वाणिज्यिक और औद्योगिक केंद्र है जबकि हावेरी एक उभरता हुआ कृषि केंद्र है और दावणगेरे कपड़ा एवं कृषि के लिए प्रसिद्ध है तथा तुमकुरु एक बढ़ता हुआ औद्योगिक एवं शैक्षिक केंद्र है। दक्षिण पश्चिम रेलवे जोन (एसडब्ल्यूआर) की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि ट्रेन का व्यावसायिक परिचालन सोमवार (11 अगस्त) से शुरू होगा और यह बुधवार को छोड़कर सप्ताह में अन्य छह दिन चलेगी। अधिकारियों ने बताया कि चेयर कार के आठ डिब्बे हैं और इसमें 530 यात्रियों के बैठने की क्षमता है।

प्रेस नोट में कहा गया है, केएसआर बेंगलूरु–बेलगावी वंदे भारत एक्सप्रेस, इस मार्ग पर सबसे तेज चलने वाली ट्रेन है, जो 611 किलोमीटर की दूरी मात्र 8.5 घंटे में तय करती है। अन्य ट्रेन की तुलना में इस ट्रेन से यह यात्रा करने पर लगभग एक घंटा 20 मिनट की बचत होती है। यह ट्रेन यशवंतपुर, तुमकुरु, दावणगेरे, एसएमएम हावेरी, एसएसएस हुब्बल्ली और धारवाड़ में रुकेगी। यह ट्रेन धारवाड़ से हुबली, हावेरी, दावणगेरे और तुमकुरु से होकर गुजरेगी। यह कर्नाटक से देश के विभिन्न हिस्सों के लिए चलने वाली 11वीं वंदे भारत ट्रेन है।

मेट्रो रेल की 'येलो लाइन' का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को बेंगलूरु मेट्रो रेल की बहुप्रतीक्षित येलो लाइन' का उद्घाटन किया। इससे बेंगलूरु के आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) केंद्र को जोड़ने वाले कई भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात की भीड़ कम होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री ने आरवी रोड (रागीगुड्डा) से इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो की सवारी भी की और यात्रा के दौरान छात्रों से बातचीत की। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 7,160 करोड़ रुपये की लागत वाली बेंगलूरु मेट्रो की द्वितीय चरण की परियोजना के तहत आरवी रोड से बोम्मासंद्रा तक 19 किलोमीटर से अधिक लंबे मार्ग में 16 स्टेशन हैं। 'येलो लाइन' के शुरू होने से बेंगलूरु में मेट्रो रेल का परिचालन नेटवर्क 96 किलोमीटर से अधिक हो जाएगा, जो क्षेत्र की एक बड़ी आबादी को सेवा प्रदान करेगा।

अधिकारियों के अनुसार, इस नयी सुविधा से होसुर रोड, सिल्क बोर्ड जंक्शन और इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी जंक्शन जैसे कई भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात की भीड़ कम होने की उम्मीद है। उपमुख्यमंत्री और बेंगलूरु विकास मामलों के प्रभारी मंत्री डी. के. शिवकुमार ने हाल में कहा था कि 'येलो लाइन' के लिए ''तीन ट्रेन'' आ चुकी हैं और चौथी इसी महीने आएगी। उन्होंने कहा था कि अभी तीन ट्रेन 25 मिनट के अंतराल पर चलेंगी और बाद में यह आवृत्ति बढ़ाकर 10 मिनट कर दी जाएगी।

प्रधानमंत्री का काफिला जब केएसआर (क्रांतिवीर संगोल्लि रायाण्ण) बेंगलूरु (सिटी) रेलवे स्टेशन से रागीगुड्डा स्टेशन की ओर बढ़ रहा था तब बारिश के बावजूद सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में एकत्र लोगों ने प्रधानमंत्री का ''मोदी, मोदी'' के नारे लगाकर स्वागत किया और उन पर पुष्पवर्षा की। मोदी ने भी अपनी कार के अंदर से हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया।

प्रधानमंत्री ने आरवी रोड (रागीगुड्डा) से इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो की सवारी भी की और यात्रा के दौरान विद्यार्थियों से बातचीत की। जब प्रधानमंत्री का काफिला इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो स्टेशन से कार्यक्रम स्थल की ओर जा रहा था, तो सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में लोग और भाजपा समर्थक एकत्र थे।

इस दौरान कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे, उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बेंगलूरु मेट्रो पर कर्नाटक केंद्र से अधिक खर्च कर रहा है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने रविवार को कहा कि राज्य बेंगलूरु के मेट्रो नेटवर्क पर केंद्र से अधिक खर्च कर रहा है, भले ही इस परियोजना को संयुक्त रूप से वित्त पोषित किया जाना है। सिद्दरामय्या ने यह बात तब कही जब वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ तीसरे चरण के शिलान्यास समारोह में मंच साझा कर रहे थे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और अश्विनी वैष्णव तथा उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार भी शामिल हुए। सिद्दरामय्या ने कहा कि समझौते के अनुसार मेट्रो को केंद्र और राज्य द्वारा समान रूप से वित्त पोषित किया जाना है, लेकिन राज्य इस परियोजना पर अधिक खर्च कर रहा है।केंद्र की तकनीकी और वित्तीय सहायता की सराहना करते हुए, उन्होंने कहा कि इसका ज्यादातर हिस्सा ऋण और इक्विटी के रूप में आता है, जिसे राज्य को ब्याज सहित चुकाना होगा। उन्होंने कहा, अब तक 3,987 करोड़ रुपये वापस किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, 96.10 किलोमीटर मेट्रो लाइन का काम पूरा हो चुका है, जिस पर राज्य सरकार ने 25,387 करोड़ रुपये और केंद्र ने 7,468.86 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। सिद्दरामय्या ने कहा कि 7,160 करोड़ रुपये की लागत से बनी 19.15 किलोमीटर लंबी येलो लाइन से रोजाना 7.5 लाख यात्रियों को फायदा होगा। उन्होंने बताया कि फिलहाल नौ लाख लोग मेट्रो का इस्तेमाल करते हैं और येलो लाइन चालू होने के बाद यह संख्या बढ़कर 12.5 लाख हो जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु के तेज विकास और भारी यातायात ने मेट्रो को जरूरी बना दिया है।

वर्ष 2030 तक इस नेटवर्क का विस्तार 220 किलोमीटर तक करने की योजना है, जिससे 30 लाख दैनिक यात्रियों के यात्रा करने की संभावना है। चरण 1, 2, 2ए और 2बी पूरे हो चुके हैं; चरण 3 की आधारशिला रखी जा चुकी है, और केंद्र सरकार की मंजूरी मिलते ही चरण 3ए शुरू हो जाएगा। मेट्रो–4 परियोजना 53 किलोमीटर की होगी। उन्होंने प्रधानमंत्री से कर्नाटक को भी महाराष्ट्र और गुजरात की तरह प्राथमिकता देने का आग्रह किया और बेंगलूरु–बेलगावी वंदे भारत ट्रेन शुरू करने के लिए उनका धन्यवाद किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 के बाद कर्नाटक के लिए रेल बजट नौ गुणा बढ़ा दिया : अश्विनी वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को कहा कि कर्नाटक का रेल बजट 2014 से पहले के 835 करोड़ रुपये से बढ़कर नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 7,500 करोड़ रुपये हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बेंगलूरु मेट्रो की 'येलो लाइन' को हरी झंडी दिखाये जाने के बाद वैष्णव ने अपने संबोधन में कहा, ''कर्नाटक जैसे महत्वपूर्ण राज्य को 2014 से पहले केवल 835 करोड़ रुपये मिल रहे थे। मोदी की बदौलत अब उसे 7,500 करोड़ रुपये मिल रहे हैं। साथ ही, कर्नाटक में 54,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं। हम अमृत भारत योजना के तहत राज्य में 61 स्टेशनों का पुनर्विकास कर रहे हैं।'' पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) की वेबसाइट के अनुसार, अमृत भारत स्टेशन योजना विभिन्न चरणों में रेलवे स्टेशनों को उन्नत करने की एक दीर्घकालिक योजना है। उसमें हर स्टेशन के लिए आवश्यकता के आधार पर उसे विकसित करने की योजना शामिल हैं।

वैष्णव ने कहा कि भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में पिछले 11 वर्षों में बहुत ही तीव्र वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा,पिछले 11 वर्षों में हमारा इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन छह गुना बढ़कर 12 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि इसी अवधि में निर्यात आठ गुना बढ़कर तीन लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा हो गया है। वैष्णव ने कहा, ''ग्यारह साल पहले, कोई सोच भी नहीं सकता था कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्यात करेगा।'' उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत 2047' की मज़बूत नींव रखने के प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से कर्नाटक समेत पूरे देश को लाभ हुआ है। विकसित भारत 2047' भारत सरकार का 2047 में अपनी स्वतंत्रता शताब्दी तक देश को विकसित बनाने की दिशादृष्टि है।

वैष्णव ने कहा, ''अगर भारत दुनिया में मोबाइल फ़ोन का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता बन गया है, तो नम्मा बेंगलूरु में देवनहल्ली एक प्रमुख आईफ़ोन निर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है।'

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान 'बालाकोट के भूत' से निपटने में कामयाब रहे : वायुसेना प्रमुख

बेंगलूरु। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने शनिवार को कहा कि बालाकोट हवाई हमले से हुए नुकसान की तस्वीरें उपलब्ध न होना ''एक बड़ा मुद्दा'' बन गया था और लोग इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं हो पा रहे थे कि क्या हासिल हुआ, लेकिन 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान बालाकोट के उस ''भूत'' का ख्याल रखा गया। यहां 16वें एयर चीफ मार्शल एल एम कात्रे स्मृति व्याख्यान में उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमानों और एक बड़े विमान को मार गिराया। उन्होंने इसे भारत द्वारा सतह से हवा में मार गिराने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बताया।

उन्होंने कहा, 'जब हमने बालाकोट (हमला) किया, तो हमने कुछ (ऑपरेशन सिंदूर जैसा) ऐसा ही किया था। उन्होंने कहा कि चूंकि कोई तस्वीर उपलब्ध नहीं थी, इसलिए यह एक बड़ा मुद्दा बन गया।'

वायुसेना प्रमुख कहा, 'दुर्भाग्यवश, हम अपने लोगों को यह नहीं बता सके कि हम क्या हासिल कर पाए।

हमारे पास खुफिया जानकारी थी कि भारी क्षति हुई है; बहुत सारे आतंकवादी मारे गए, लेकिन हम अपने लोगों को आश्वस्त नहीं कर सके। लेकिन (इस बार) हम भाग्यशाली रहे और ये वीडियो सार्वजनिक कर पाए।' उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि हम बालाकोट के उस भूत से निपट पाए। भारत ने बालाकोट में हवाई हमले किए, जिसमें जैश–ए–मोहम्मद (जेईएम) आतंकवादी समूह के एक प्रशिक्षण शिविर को निशाना बनाया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बेंगलूरु मेट्रो रेल के तीसरे चरण की परियोजना की आधारशिला रखी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को बेंगलूरु मेट्रो रेल परियोजना के तीसरे चरण की आधारशिला रखी। इस परियोजना पर 15,610 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आने का अनुमान है। बेंगलूरु मेट्रो के तीसरी चरण की परियोजना ''ऑरेंज लाइन'' के नाम से भी जानी जाती है। इसकी कुल लंबाई 44 किमी से अधिक होगी, जिसमें '31 एलिवेटेड' स्टेशन होंगे। अधिकारियों ने बताया कि यह बुनियादी ढांचा परियोजना शहर की बढ़ती परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करेगी तथा आवासीय, औद्योगिक, वाणिज्यिक एवं शैक्षणिक क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करेगी।

तीसरे चरण में दो गलियारे होंगे: जेपी नगर चौथे चरण से केम्पापुरा (32.15 किमी) तक और होसाहल्ली से कडाबागेरे (12.5 किमी) तक। आधारशिला रखे जाने के कार्यक्रम में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, अश्विनी वैष्णव और एच डी कुमारस्वामी, केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे और वी सोमन्ना, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार भी उपस्थित थे। इससे पहले, मोदी ने बेंगलूरु मेट्रो रेल की बहुप्रतीक्षित ''येलो लाइन'' का उद्घाटन किया, जिससे शहर के आईटी केंद्र को जोड़ने वाले कई अत्यधिक भीड़भाड़ वाले गलियारों में यातायात की भीड़ कम होने की उम्मीद है।

केंद्र ने बेंगलूरु मेट्रो रेल परियोजना की लागत का सिर्फ 20 प्रतिशत योगदान दिया : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि बेंगलूरु मेट्रो रेल परियोजना में केंद्र की बहुत कम भूमिका है, क्योंकि परियोजना की 80 से 90 प्रतिशत लागत राज्य सरकार द्वारा वहन की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सम्मान में उनसे आर.वी. रोड से इलेक्ट्रॉनिक सिटी तक बेंगलूरु मेट्रो रेल की 'येलो लाइन' का उद्घाटन करने का अनुरोध किया था।

शिवकुमार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आर.वी. रोड मेट्रो स्टेशन पर बेंगलूरु मेट्रो की 'येलो लाइन' का उद्घाटन करने के अवसर पर संवाददाताओं से कहा, ''आज 'येलो लाइन' का उद्घाटन हो गया है। परियोजना की 80 प्रतिशत लागत राज्य सरकार द्वारा और 20 प्रतिशत केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा वहन की गई है। कुछ स्थानों पर केंद्र ने केवल 11 प्रतिशत ही खर्च किया है।'' उन्होंने कहा, केंद्र ने कर्नाटक की पूरी तरह उपेक्षा की है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सम्मान करते हुए हमने उनसे मेट्रो की 'येलो लाइन' का उद्घाटन करने का अनुरोध किया। उनके अनुसार, कर्नाटक सरकार ने भूमि अधिग्रहण और बुनियादी ढांचे के लिए धन दिया।

उन्होंने कहा कि केंद्र को परियोजना लागत का 50 प्रतिशत वहन करना था, लेकिन उसने धन नहीं दिया। शिवकुमार ने कहा, ''कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु केंद्र के लिए भारी कर उत्पन्न करती है, जहां हर साल लगभग एक लाख से डेढ़ लाख नए रोजगार सृजित होते हैं और देश भर से तकनीकी विशेषज्ञ नौकरी की तलाश में यहां आते हैं, उसके मान के लिए और तकनीकी विशेषज्ञों की सुविधा के लिए हमने इलेक्ट्रॉनिक सिटी तक मेट्रो रेल का निर्माण किया।'' उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक सिटी में फ्लाईओवर का निर्माण मनमोहन सिंह के कार्यकाल में हुआ था। उन्होंने मेट्रो स्टेशनों के निर्माण के लिए धन दान करने वाली इंफोसिस, बायोकॉन, डेल्टा और अन्य कंपनियों का भी धन्यवाद किया। उन्होंने आरोप लगाया, ''कुछ भाजपाई यह प्रचारित कर रहे हैं कि मेट्रो रेल केंद्र सरकार की परियोजना थी, लेकिन केंद्र ने कुछ नहीं किया। किसी भी सांसद ने बेंगलूरु में मेट्रो रेल परियोजना के लिए एक पैसा या कोई सहयोग नहीं दिया। यह कर्नाटक के सभी सांसदों के लिए शर्म की बात है।'' शिवकुमार ने दावा किया कि केंद्र ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) योजना के तहत कर्नाटक को धन प्राप्त करने में मदद नहीं की। केंद्र पर बेंगलूरु के बुनियादी ढांचे के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं देने का आरोप लगाते हुए उपमुख्यमंत्री ने मोदी से अपील की कि वह ''राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की तरह ही बेंगलूरु के लिए भी एक लाख करोड़ रुपये दें, क्योंकि यह देश में दूसरा सबसे अधिक कर देने वाला शहर है।''

शिवकुमार ने कहा, ''मैं उन्हें (मोदी को) एक ज्ञापन देने जा रहा हूं। मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वह बेंगलूरु को नजरअंदाज नहीं करें। इसे राष्ट्रीय राजधानी की तरह ही समझें।'' उन्होंने दावा किया कि केंद्र ने अहमदाबाद बुनियादी ढांचा परियोजना में 20 प्रतिशत का योगदान दिया है, लेकिन बेंगलूरु में उसने केवल 10 प्रतिशत दिया है, जो एक सर्वविदित तथ्य है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं राजनीति में नहीं पड़ना चाहता और इसकी कोई जरूरत भी नहीं है, लेकिन मैं यह बात उनके (मोदी) संज्ञान में ला रहा हूं। सांसदों को राजनीति छोड़कर लोगों की सेवा के लिए केंद्रीय अनुदान लाना चाहिए।''

बेंगलूरु के सांसदों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यह सिर्फ तस्वीरों और चीजों को सोशल मीडिया पर पोस्ट करने और अखबारों में कवरेज पाने का जरिया नहीं है। शिवकुमार ने कहा, ''आपकी अंतरात्मा से यह आवाज उठनी चाहिए। आपको इस तरह काम करना चाहिए।'' जब उनसे भाजपा के इस दावे के बारे में पूछा गया कि मोदी ने बेंगलूरु को मेट्रो रेल का तोहफा दिया है, इस पर शिवकुमार ने कहा कि इसमें किसी की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने दावा किया कि मेट्रो रेल परियोजना की शुरुआत कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत एस. एम. कृष्णा ने की थी, जब दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी देश के प्रधानमंत्री थे।

उन्होंने कहा, ''उन्हें (भाजपा नेताओं को) अपने आंकड़े जारी करने दीजिए कि उन्होंने मेट्रो परियोजना के लिए कितना पैसा दिया, फिर मैं भी अपने आंकड़े बता दूंगा।'' कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी दल भाजपा के बीच मेट्रो येलो लाइन' को लेकर टकराव जारी है। कांग्रेस दावा कर रही है कि राज्य सरकार ने इस परियोजना को साकार किया, जबकि भाजपा का कहना है कि केंद्र ने मेट्रो लाइन के निर्माण में योगदान दिया है।

प्रियांक खरगे ने भाजपा पर येलो लाइन का 'श्रेय हड़पने' का आरोप लगाया

बेंगलूरु। कर्नाटक के ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खरगे ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर मेट्रो ट्रेन की 'येलो लाइन' के द्वितीय चरण का 'श्रेय हड़पने' का आरोप लगाते हुए कहा कि कर्नाटक सरकार ने 12,000 करोड़ रुपये से अधिक का योगदान करके बहुत बड़े खर्च का वहन किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को बेंगलूरु में हैं तथा उनका बेंगलूरु मेट्रो की बहुप्रतीक्षित येलो लाइन और बेंगलूरु–बेलगावी के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के उद्घाटन का कार्यक्रम है। उनका बेंगलूरु मेट्रो फेज–3 परियोजना की आधारशिला रखने का भी कार्यक्रम है। खरगे ने 'एक्स' पर लिखा, ''मेट्रो परियोजना मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के तहत शुरू की गई थी। पहले चरण में संप्रग सरकार ने लागत के एक बड़े हिस्सा का वहन किया, जो राज्य सरकार के योगदान से भी अधिक था।'' उनके अनुसार, भाजपा के सत्ता में आने के बाद परियोजना के प्रति उनकी प्रतिबद्धता कम हो गई और बाद के चरणों में केंद्र सरकार का हिस्सा भी काफी कम हो गया। उन्होंने कहा, कर्नाटक सरकार ने 12,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा का योगदान देकर, भूमि अधिग्रहण लागत और अतिरिक्त खर्चों का भार उठाते हुए अधिकतर व्यय का वहन किया है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने इस परियोजना के लिए केवल 8,000 करोड़ रुपये ही उपलब्ध कराए। खरगे ने कहा, ''सहयोग की कमी के कारण बीएमआरसीएल को परियोजना की शेष लागत पूरी करने के लिए ऋण लेना पड़ा। कर्नाटक का योगदान साल–दर–साल बढ़ता जा रहा है, लेकिन राज्य को मिलने वाला लाभ कम होता जा रहा है और येलो लाइन परियोजना इसका ज्वलंत उदाहरण है।

लैटिन अमेरिकी देशों के 24 कंटेंट क्रिएटर्स ने दीया कुमारी से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी से विदेश मंत्रालय की जन कूटनीति पहल के तहत भारत भ्रमण पर आए लैटिन अमेरिकी देशों के 24 कंटेंट क्रिएटर्स के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को यहां मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने श्रीमती दीया कुमारी से सिटी पैलेस में यह मुलाकात की जो उनकी शिष्टाचार भेंट थी। यह प्रतिनिधिमंडल ब्राज़ील, मैक्सिको, अर्जेंटीना, चिली, कोलंबिया, पेरू, पनामा, कोस्टा रिका, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद-टोबैगो और जमैका जैसे देशों से आया है। 9 से 15 अगस्त तक राजस्थान प्रवास के दौरान यह सभी भारत की समृद्ध विरासत, जीवंत संस्कृति और विविधतापूर्ण जीवन शैली से रूबरू हो रहे हैं। इस अवसर पर श्रीमती दीया कुमारी ने कहा कि इस तरह की पहलों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सांस्कृतिक धरोहर और पर्यटन संभावनाओं का प्रभावी प्रचार-प्रसार होता है।

उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को राजस्थान की कला, स्थापत्य और आतिथ्य परंपरा से अवगत कराया और उनके अनुभव जानने में रुचि दिखाई। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने राजस्थान की ऐतिहासिक विरासत, रंग-बिरंगे उत्सवों और स्थानीय खानपान की सराहना की तथा अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर इन अनुभवों को साझा करने का आश्वासन दिया।

चिकित्सा विभाग दे सकेगा आरजीएचएस में ओपीडी की निर्धारित सीमा में शिथिलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुलभ एवं सुचारू संचालन के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है और उसने राजस्थान राज्य पेंशनर्स चिकित्सा रियायती योजना-2021 में संशोधन किया है। वित्त विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार पेंशनर्स के लिए आरजीएचएस योजना के तहत वर्तमान में आउटडोर चिकित्सा सुविधा में दवाइयों के लिए निर्धारित 50 हजार रुपए प्रतिवर्ष एवं जांचों के लिए पांच हजार रुपए की निर्धारित सीमा में वृद्धि के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग एवं उसके अधीन राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेन्सी को शक्तियां प्रदान की गई हैं।

इसके तहत ओपीडी दवाइयों के लिए निर्धारित सीमा में दो लाख रुपए तक के विस्तार के लिए राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के अतिरिक्त सीईओ या संयुक्त सीईओ (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा अधिकृत), दो लाख से सात लाख रुपए तक के लिए राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को प्राधिकृत किया गया है। वहीं सात लाख रुपए से अधिक के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग (प्रशासनिक विभाग) को प्राधिकृत किया गया है। इसी तरह चिकित्सा जांचों के लिए निर्धारित पांच हजार रुपए की सीमा को बढ़ाने के लिए राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्राधिकृत है। उल्लेखनीय है कि निर्धारित सीमा राशि में वृद्धि के लिए पहले यह शक्तियां वित्त विभाग के अधीन थी। जिन्हें अब चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को सौंप दिया गया है।

मुख्यमंत्री के इस निर्णय से पेंशनर्स को अपने मेडिकल जरूरतों के मामले में ओपीडी दवाइयों एवं चिकित्सा जांचों की सीमा राशि में शिथिलता प्राप्त करने के लिए अब आवेदन करना और सरल होगा। पेंशनर्स को इसके लिए आरजीएचएस पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

राहुल से शपथ पत्र मांगना निर्वाचन आयोग की मूर्खतापूर्ण मांग : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोप के बाद उनसे शपथ पत्र देने की निर्वाचन आयोग की मांग को राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को मूर्खतापूर्ण बताया। निर्वाचन आयोग ने शनिवार को एक बार फिर लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी से कहा कि या तो वह अपने दावों के समर्थन में शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करें या फिर फर्जी आरोप लगाने के लिए देश से माफी मांगें।

इसके बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गहलोत ने 'एक्स' पर कहा कि राहुल गांधी ने सारे सबूत जनता के सामने रखकर निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची में की जा रही वोट चोरी को उजागर किया है और इस पर पूरे देश को भरोसा है। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग द्वारा शपथ पत्र देने की मांग एक दम बेहूदा तथा अपनी इज्जत बचाने का प्रयास लगती है। गहलोत ने कहा राजग सरकार के दौरान ही 2018 में मुख्य चुनाव आयुक्त रहे ओपी रावत ने कहा है कि जब वह चुनाव आयुक्त थे तब कोई वरिष्ठ नेता आरोप लगाता था तो निर्वाचन आयोग स्वत: उसकी जांच कर जनता के सामने तथ्य प्रस्तुत करता था जिससे जनता का निर्वाचन आयोग में विश्वास बना रहे। उन्होंने कहा कि पूर्व में अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी एवं स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित कई नेताओं ने विपक्ष में रहते हुए निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाए थे। कांग्रेस नेता ने पूछा कि इनमें से कितने नेताओं के शपथ पत्र निर्वाचन आयोग में जमा हैं?

गहलोत ने कहा जो खुलासा राहुल गांधी ने किया है वो यदि किसी खोजी पत्रकार या मीडिया संस्थान ने किया होता तो क्या निर्वाचन आयोग उन आरोपों की निष्पक्ष जांच करता या उनसे शपथ पत्र मांगता?

उन्होंने कहा उत्तर कोरिया, चीन और रूस जैसे देशों में जहां एक पार्टी का ही शासन है, वहां भी निर्वाचन आयोग चुनाव करवाता है। उन निर्वाचन आयोगों एवं चुनाव की स्थिति कैसी है वह पूरी दुनिया जानती है। क्या ऐसा ही भारत में भी करने का प्रयास किया जा रहा है? गहलोत ने कहा कि 'वोट चोरी एक व्यक्ति, एक वोट के बुनियादी लोकतांत्रिक सिद्धांत पर हमला है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए साफ़-सुथरी मतदाता सूची अनिवार्य है। कांग्रेस नेता ने कहा निर्वाचन आयोग से हमारी मांग साफ़ है – पारदर्शिता दिखाएं और डिजिटल मतदाता सूची सार्वजनिक करें, ताकि जनता और राजनीतिक दल उसका खुद ऑडिट कर सकें।

क्या भारतीय चुनाव आयोग को नॉर्थ कोरिया, रूस और चीन जैसा बनाने की कोशिश?

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली भारत को उन देशों की तरह बना रही है, जहां एक ही पार्टी का वर्चस्व होता है, जैसे नॉर्थ कोरिया, चीन और रूस। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तौंशउहौळ के सबूत जनता के सामने रखकर वोटर लिस्ट में हो रही कथित गड़बड़ियों का खुलासा किया है। देश को उन सबूतों पर भरोसा है। चुनाव आयोग द्वारा शपथ पत्र की मांग करना बेतुका है और यह केवल अपनी साख बचाने का प्रयास लगता है, उन्होंने आरोप लगाया।

उन्होंने 2018 में मुख्य चुनाव आयुक्त रहे ओ.पी. रावत का हवाला देते हुए कहा, रावत ने स्वीकार किया था कि उनके कार्यकाल में यदि कोई वरिष्ठ नेता आरोप लगाता था तो चुनाव आयोग स्वतः जांच करता और जनता के सामने तथ्य रखता, ताकि भरोसा बना रहे।

कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मारी, कांस्टेबल की मौत

जयपुर। राज्य की राजधानी जयपुर के चौमूं थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक कार ने मोटरसाइकिल पर सवार कांस्टेबल को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना जयपुर-सीकर राजमार्ग पर उस समय हुई जब कांस्टेबल राजेंद्र कुमार सामोता (36) रविवार सुबह मोटरसाइकिल पर सवार होकर ड्यूटी के लिए जयपुर पुलिस लाइन जा रहा था तभी एक तेज रफ्तार कार ने उसके वाहन को टक्कर मार दी।

उसने बताया कि स्थानीय लोगों ने कांस्टेबल को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण कर सबूत जुटाए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जायेगा।

झुंझुनूं में आज प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत राष्ट्र स्तरीय डीबीटी कार्यक्रम होगा आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में 11 अगस्त (सोमवार) को झुंझुनूं में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत रबी सीजन 2024-25 एवं खरीफ सीजन 2024 की बीमा दावा राशि की पहली किश्त डीबीटी के माध्यम से राष्ट्रव्यापी स्तर पर किसानों के खातों में हस्तांतरित की जाएगी। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतिकात्मक चेक का भी वितरण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री शर्मा व केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री चौहान के द्वारा राज्य में लगभग 27 लाख फसल बीमा धारक किसानों को लगभग 1200 करोड़ रुपये की राशि का डीबीटी के माध्यम से भुगतान किया जाएगा। इस कार्यक्रम के जरिए रबी सीजन 2024-25 एवं खरीफ सीजन 2024 की बीमा दावा राशि की पहली किश्त देश के लाखों किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से पहुंचेगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अन्तर्गत राज्य सरकार के कार्यकाल में (जुलाई 2025 तक) कुल 148 लाख पात्र फसल बीमा पॉलिसी धारक किसानों को 3 हजार 912.53 करोड़ रुपये के फसल बीमा क्लेम का भुगतान किया गया है।

पिता ने जिंदा बेटी की शोक पत्रिका छपवाई, मृत्युभोज रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में एक व्यक्ति ने अपनी जीवित बेटी की शोक पत्रिका छपवाई और रविवार को मृत्युभोज रखा। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। यह घटना आसींद उपखंड के सरेरी गांव की है जहां भैरूलाल जोशी ने अपनी बेटी पूजा की शादी उसी गांव के निवासी संजय तिवारी से तय की थी। रिश्तेदारों के अनुसार इस साल अप्रैल में शादी भी हो गई जिस पर लाखों रुपये खर्च किए गए। हेड कांस्टेबल श्रवण कुमार ने बताया कि जोशी ने 30 जुलाई को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी जिसमें कहा कि उनकी बेटी 29 जुलाई को भीलवाड़ा के माणिक्य लाल वर्मा कॉलेज में परीक्षा देने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी।

कुमार ने कहा, हमने आस-पास के इलाकों और रिश्तेदारों से पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। उसके फोन पर घंटी जाती थी लेकिन कोई जवाब नहीं दिया गया। बाद में पुलिस ने उसका पता लगाया तो पाया कि उसने अपनी मर्जी से अपने पति के एक रिश्तेदार सूरज तिवारी से शादी कर ली है। अधिकारी ने कहा, हमने परिवार को सूचित किया और उनसे कहा कि जब उनकी बेटी पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पेश हो, तो वे भी मौजूद रहें। उन्होंने बताया कि चार अगस्त को पूजा पुलिस अधीक्षक के सामने पेश हुई और उसने पुष्टि कि उसने अपनी मर्जी से सूरज से शादी कर ली है और आरोप लगाया कि उसे अपने परिवार से खतरा है। बाद में, जोशी ने संवाददाताओं से कहा, जब मेरी बेटी थाने आई तो उसने हमारे खिलाफ बयान दिए। मुझे बहुत दुख हुआ और मैंने उसे परिवार के लिए मरा हुआ मान लिया है। मैंने उसके नाम पर एक शोक संदेश छपवाया है और घर पर 12 दिनों की शोक सभा आयोजित कर रहा हूं। 10 अगस्त को एक मृत्युभोज रखा गया है। छपे हुए संदेश में उसकी शादी की तारीख का उल्लेख था और घोषणा की गई थी कि 29 जुलाई को परिवार के लिए उसका निधन हो गया था। स्थानीय ग्रामीण और रिश्तेदार शोक सभा में शामिल हो रहे हैं।

मुख्य सचिव सुधांशु पंत का भरतपुर दौरा, विकास कार्यों की प्रगति को अधिकारियों के साथ मौके पर जाकर देखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांशु पंत रविवार को भरतपुर जिले के दौरे पर रहे जहां उन्होंने केवलादेव नेशनल पार्क, लोहागढ किला, सीएफसीडी के विकास कार्यों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। उन्होंने आकस्मिक रूप से आरबीएम अस्पताल पहुंच कर विभिन्न वार्डों में सफाई व्यवस्था एवं रोगियों को दी जा रही सुविधाओं को भी परखा।

उन्होंने सुबह केवलादेव नेशनल पार्क का भ्रमण कर विकास कार्यों का जायजा लिया तथा गंभीर नदी से आए पानी से झीलों के भर जाने से जैव विविधता के लिए किये जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। उन्होंने अभ्यारण्य में स्थित केवलादेव मंदिर के दर्शन कर देश प्रदेश की खुशहाली की कामना की तथा व्यू पॉइंट से अभ्यारण्य की जैव विविधता को निहारा। उन्होंने घना के गेट पर अधिकारियों से चर्चा कर पर्यटकों के लिए सुविधाएं विकसित करने तथा पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला कलक्टर कमर चौधरी, आयुक्त बीडीए कनिष्क कटारिया व निदेशक घना मानससिंह ने केवलादेव में सुविधाओं के विस्तार की कार्ययोजना के बारे में बताया।

मुख्य सचिव ने आरबीएम अस्पताल का निरीक्षण किया जहां नव निर्मित ब्लॉक के बारे में जानकारी ली तथा शीघ्र ही उद्घाटन करने का बात कही। उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर अस्पताल प्रशासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली तथा मरीजों के हाल-चाल जाने। उन्होंने हड्डी वार्ड में गुलाल कुंड निवासी रोगी पप्पू के हाल-चाल जानकर चिकित्सकों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए। पप्पू के पैर में फैक्चर का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। उन्होंने नदबई निवासी प्रेम कुमार से भी मिलकर हाल-चाल जाने, प्रेम कुमार के घुटने में इंफेक्शन होने के कारण अस्पताल के वार्ड में इलाज कराया जा रहा है। उन्होंने दुर्घटना में घायल कानपुर निवासी बाबूलाल से भी मिलकर कुशलक्षेम पूंछी तथा अस्पताल प्रशासन द्वारा की जा रही चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। अस्पताल में भर्ती नदबई के ग्राम रौंणीजा निवासी 5 वर्षीय बालिका तन्वी के हाथ में फैक्चर होने पर इलाज के बारे में तन्वी की मां श्रीमती रमा से जानकारी लेकर अस्पताल प्रशासन द्वारा दी जा रहे सुविधाओं के बारे में चर्चा की तथा चिकित्सकों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल में विभिन्न वार्डों एवं शौचालयों का भी निरीक्षण किया तथा सफाई व्यवस्था पर नाराजगी व्यक्त करते हुए और बेहतर सफाई करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले रागियों एवं तीमारदारों को सफाई का वातावरण मिले यह सुनिच्चित किया जाये। उन्होंने निःशुल्क दवा योजना के काउंटर पर जाकर रोगियों को दी जा रही निःशुल्क दवाओं की जानकारी ली तथा स्टॉक में रखी हुई दवाओं की श्रेणियां का निरीक्षण कर प्रतिदिन निशुल्क दवा वितरण संधारण व्यवस्था का जायजा लिया।

हर गलती कीमत मांगती है : जोगाराम पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के झज्जर की पेपर लीक मामले में गिरफ्तारी पर राजस्थान के कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, हर गलती कीमत मांगती है और अगर गहलोत साहब के हर पल नजदीक रहने वाला व्यक्ति पेपर लीक में शामिल हो और पकड़ा जाए तो यह गंभीर विषय है।

पटेल ने सवाल उठाया कि इस मामले में और कितने लोग शामिल हो सकते हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि कानून निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ अपना काम करेगा। साथ ही उन्होंने मांग की कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को इस पर सार्वजनिक रूप से अपना पक्ष रखना चाहिए।

फोन टैपिंग मामले का जिक्र करते हुए पटेल ने कहा कि गहलोत ने भले ही खुद किसी तरह की टैपिंग नहीं करने की बात कही हो, लेकिन उनके ओएसडी पर बार-बार फोन टैपिंग के आरोप लगे हैं, जिनका जवाब आज तक नहीं दिया गया। मंत्री पटेल ने यह भी आरोप लगाया कि गहलोत ने कांग्रेस प्रत्याशियों को हराने के लिए रणनीति बनाई, लेकिन इस पर भी उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उन्होंने याद दिलाया कि गहलोत के कार्यकाल में जेजेएम घोटाला, भर्ती घोटाला जैसे मामले सामने आए, और उनके नजदीकी लोग पकड़े गए। पटेल के अनुसार, इससे यह संभावना बनती है कि या तो गहलोत ने इन मामलों पर ध्यान नहीं दिया या फिर इसके पीछे कोई कारण था।

क्यूबा की लीह रेयास ने जीता मिस टीन अर्थ 2025 का ताज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारत की मेजबानी में राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित मिस टीन अर्थ-2025 प्रतियोगिता का खिताब क्यूबा की लीह रेयास ने जीत लिया। प्रतियोगिता का शनिवार रात जी स्टूडियो में आयोजन किया गया जिसमें 11 देशों की प्रतिभागियों ने फाइनल में अपनी जगह बनाई। इनमें भारत, कंबोडिया, क्यूबा, नेपाल, स्पेन, नीदरलैण्ड, वियतनाम, कनाडा, मेक्सिको, फिलीपींस और श्रीलंका शामिल था। फाइनल में क्यूबा की लीह रेयास ने अन्य प्रतिभागियों को पछाड़ते हुए ताज पर कब्जा जमाया। कार्यक्रम की शुरुआत नेशनल कॉस्ट्यूम राउंड से की गई जिसमें तमाम देशों की प्रतिभागियों ने अपने अपने देश की सुंदरता, संस्कृति और पर्यावरणीय जागरूकता की थीम पर अपने-अपने देश की विरासत, लोककला और पहचान को अनूठे अंदाज़ में प्रस्तुत किया। मिस टीन अर्थ 2025 के मंच ने अपने बहुप्रतीक्षित नेशनल कॉस्ट्यूम राउंड का भव्य आयोजन किया।

उसके बाद ओपेनिंग राउंड , प्रश्न उत्तर एवं कई राउंड के बाद क्यूबा की लीह रेयास ने मिस टीन अर्थ 2025 की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया जबकि दूसरे स्थान पर कनाडा की मिशा रही। लीह रेयास ने प्रतियोगिता के विभिन्न चरणों में बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिससे उन्हें खिताब हासिल करने में सफलता मिली। सर पर ताज आते ही लीह रेयास भावुक हो गई और कहा मैं यह ट्रॉफी अपने देशवासियों को सपर्पित करती हूं।

प्रतियोगिता में अन्य विशेष खिताब भी दिए गए जिनमेंमिस पॉपुलर का खिताब क्यूबा, बेस्ट इन स्विम शूट का भारत, बेस्ट ब्यूटीफुल स्किन का वियतनाम, टॉप मॉडल का मेक्सिको, बेस्ट इन ईवनिंग गाउन का नेपाल एवंबेस्ट इन रैम्प वॉक का फिलीपींस को दिया गया।

टॉप छह में फिलीपींस, नेपाल, क्यूबा, मेक्सिको, स्पेन और कनाडा की प्रतिभागी शामिल रही वहीं फाइनल राउंड में दूसरे स्थान पर कनाडा की मिशा, सेकेंड रनर अप फिलीपींस की मेरिडिथ बोबाडिला, थर्ड रनर अप स्पेन की सोफिया लोरेंटे एवं फोर्थ रनरअप मेक्सिको की जोहाना गोंजालेज रही। कार्यक्रम में ग्लैमानंद ग्रुप के डायरेक्टर निशांत आनंद, मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 रिया सिंघा सहित दुनिया भर से आए लगभग पांच सौ प्रतिनिधि मौजूद थे।

कार्यक्रम के समापन पर घोषणा की गई कि अगले सप्ताह देश की सबसे बड़ी सौंदर्य प्रतियोगिता मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 का ग्रैंड फिनाले भी जयपुर में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक ग्लैमआनंद ग्रुप के चेयरमैन एवं मिस यूनिवर्स इंडिया के निखिल आनंद ने कहा यह कार्यक्रम भारत मे बढ़ते वैश्विक प्रभाव का नतीजा है। आज हम अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता की मेजबानी कर करे हैं हमारे लिए गर्व की बात है। मिस टीन अर्थ दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते और चर्चित किशोर ब्यूटी पेजेंट है।

इस प्रतियोगिता का आयोजन विश्व स्तर पर अपनी भव्यता और उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है। इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाली प्रतियोगी अक्सर प्रतिष्ठित ब्यूटी क्वीन्स के रूप में उभरती हैं। आनंद ने कहा कि ग्लैमानंद ग्रुप राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर कई ब्यूटी पेजेंट की मेजवानी कर रहा है जो वैश्विक स्तर पर भारत का नाम रौशन कर रही हैं।

संघ प्रमुख भागवत ने चिकित्सा और शिक्षा के व्यावसायीकरण पर चिंता जताई

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने देश में चिकित्सा और शिक्षा के व्यावसायीकरण पर चिंता जताते हुए कहा कि दोनों महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आम लोगों को 'सहज, सुलभ, सस्ती और सहृदय' सुविधाएं मुहैया कराई जाना वक्त की मांग है। भागवत ने इंदौर में कैंसर के मरीजों के किफायती इलाज के लिए 'माधव सृष्टि आरोग्य केंद्र' का उद्घाटन किया। यह केंद्र 'गुरुजी सेवा न्यास' नाम के परमार्थ संगठन ने शुरू किया है। संघ प्रमुख ने कहा,(अच्छी) चिकित्सा और शिक्षा की सारी योजनाएं आज समाज के हर व्यक्ति की आवश्यकता बन गई है, लेकिन दुर्भाग्य ऐसा है कि दोनों क्षेत्रों की (अच्छी) सुविधाएं आम आदमी की पहुंच और आर्थिक सामर्थ्य के दायरे से बाहर हैं। उन्होंने कहा,पहले चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्रों में सेवा की भावना से काम किए जाते थे, लेकिन अब इन्हें भी कमर्शियल (वाणिज्यिक) बना दिया गया है।

संघ प्रमुख ने कहा कि जनता को चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्रों में 'सहज, सुलभ, सस्ती और सहृदय' सुविधाएं मुहैया कराई जाना वक्त की मांग है। भागवत ने देश में कैंसर के महंगे इलाज पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा,कैंसर के इलाज की अच्छी सुविधाएं केवल आठ-दस शहरों में मौजूद हैं जहां देश भर के मरीजों को बड़ी धनराशि खर्च करके जाना पड़ता है। भागवत ने आम लोगों के लिए चिकित्सा और शिक्षा की अच्छी सुविधाएं पेश करने के वास्ते समाज के सक्षम और समर्थ लोगों से आगे आने का आह्वान किया। संघ प्रमुख ने कहा,कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी जैसे शब्द बेहद तकनीकी और औपचारिक हैं। सेवा के संदर्भ में हमारे यहां एक शब्द है-धर्म। धर्म यानी सामाजिक जिम्मेदारी को निभाना। धर्म समाज को जोड़ता है और समाज को उन्नत करता है।

गंभीर बीमारियों के इलाज में मदद करेगी राज्य सरकार : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि सरकार गंभीर बीमारियों के इलाज कराने में उनकी पूरी मदद करेगी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान के मुताबिक गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाने पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि वह बिना चिंता किए अच्छे से अच्छे अस्पताल में इलाज कराएं, सरकार उनकी भरपूर आर्थिक मदद करेगी, उपचार में जो भी धनराशि खर्च होगी, उसकी व्यवस्था सरकार करेगी।

योगी ने इस संबंध में अधिकारियों को निर्देशित भी किया कि जिन लोगों को उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उसकी अनुमानित लागत तैयार करने की प्रक्रिया पूरी कराकर शासन को उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में एक-एक कर लोगों की समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने होने की आवश्यकता नहीं है, हर समस्या का समाधान कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण कराएं ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए और पारिवारिक मामलों के निस्तारण में दोनों पक्षों को एकसाथ बैठाकर संवाद करने को प्राथमिकता दी जाए।

चाचा चौधरी अब साबू के साथ गंगा सफाई अभियान पर निकलेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रिय कॉमिक नायक चाचा चौधरी फिर से लौट आए हैं और इस बार वह अपने साथी साबू के साथ गंगा नदी के पानी में गोता लगाकर उन खलनायकों से मुकाबला करेंगे जो नदी को दूषित कर रहे हैं।

चाचा चौधरी को उनकी बुद्धिमत्ता के लिए जाना जाता है और ये कहा जाता है कि चाचा चौधरी का दिमाग कम्प्यूटर से भी तेज काम करता है राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) और डायमंड बुक्स प्रकाशन के बीच सहयोग के तहत प्रकाशित नवीनतम कहानियां हास्य, एक्शन और पर्यावरण जागरूकता का ऐसा मिश्रण प्रस्तुत करती हैं, जैसा केवल चाचा चौधरी ही कर सकते हैं। नव प्रकाशित कॉमिक्स इस परिचित जोड़ी को चार नई यात्राओं की ओर ले जाती है जिनमें से प्रत्येक में गंगा पारिस्थितिकी तंत्र के एक अनूठे पहलू पर प्रकाश डाला गया है। अक्टूबर 2021 में चाचा चौधरी को राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) द्वारा नमामि गंगे कार्यक्रम का शुभंकर घोषित किया गया था ताकि इसमें बच्चों को शामिल किया जा सके और कॉमिक्स तथा एनिमेशन के माध्यम से नदी की स्वच्छता के प्रति लोगों के व्यवहार में बदलाव लाया जा सके।

'वोट चोरी' पर एकजुट प्रतिक्रिया के लिए

'इंडिया' के घटक दलों के साथ चर्चा करेगी कांग्रेस : खेड़ा

श्रीनगर/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि वह अगले कुछ दिनों में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सहयोगियों के साथ चर्चा करेगी ताकि कई राज्यों में मतदाता सूचियों में हेराफेरी के आरोपों पर एकजुट प्रतिक्रिया तैयार की जा सके। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि निर्वाचन आयोग और सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा कथित वोट चोरी के खिलाफ एक जन अभियान शुरू हो गया है, जिसमें कई लोग स्वयं मतदाता सूचियों की जांच कर रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या पार्टी इस मुद्दे पर एक संयुक्त संसदीय समिति की मांग करेगी, तो खेड़ा ने कोई वादा नहीं किया। उन्होंने कहा, हम 'इंडिया' गठबंधन के अपने सहयोगियों के साथ भी इस पर चर्चा कर रहे हैं। अगले दो या तीन दिन में हम उनके साथ फिर से चर्चा करेंगे और एक संयुक्त रणनीति के साथ वापस आएंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या अदालत जाना एक विकल्प है, कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि वह इस समय इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा, लेकिन भविष्य में आगे कैसे बढ़ना है, इस पर हम सभी को एकजुट रुख अपनाना होगा। राहुल गांधी ने पिछले साल कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची के अपनी पार्टी के विश्लेषण का हवाला देते हुए भाजपा व निर्वाचन आयोग के बीच मिलीभगत के जरिए चुनावों में भारी धोखाधड़ी का दावा किया था।

अमेठी में विवाद के दौरान महिला ने पति का गुप्तांग काटा, हिरासत में ली गई

अमेठी/भाषा। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र में विवाद के दौरान एक महिला ने अपने पति पर धारदार हथियार से कथित रूप से हमला कर उसका गुप्तांग काट दिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, जगदीशपुर थाना क्षेत्र के फैसनगंज कचनाव गांव निवासी अंसार अहमद (38) ने दो शादियां की हुई हैं और उसकी दोनों ही पत्नियों से कोई संतान नहीं है और पारिवारिक विवाद की स्थिति बनी रहती थी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार रात झगड़े के दौरान अहमद की दूसरी पत्नी नाज़नीन बानो ने उसपर धारदार हथियार से हमला कर उसका गुप्तांग काट दिया। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल अहमद को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) जगदीशपुर ले जाया गया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उसे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायबरेली रेफर कर दिया गया जहां उसका उपचार किया जा रहा है। जगदीशपुर थानाध्यक्ष राघवेंद्र ने बताया कि आरोपी नाज़नीन बानो को हिरासत में ले लिया गया है।

मुझे फंसाने के लिए साजिश रचने के दावे के पक्ष में मरांडी के पास हैं सबूत : हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि भाजपा की झारखंड इकाई के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के पास इस दावे के समर्थन में सबूत हैं कि उस राज्य के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पिछले साल उन्हें (शर्मा को) फंसाने की साजिश रची थी।

मरांडी ने शनिवार को दावा किया था कि एक पुलिस अधिकारी ने पिछले साल झारखंड विधानसभा चुनाव के दौरान दिल्ली और गुवाहाटी की यात्रा करने के लिए किसी व्यक्ति को पैसे दिए थे, ताकि शर्मा को फंसाया जा सके। शर्मा झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के सह-प्रभारी थे। बक्सा जिले में एक बैठक से इतर पत्रकारों ने जब शर्मा से झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मरांडी के दावे के बारे पूछा तो उन्होंने कहा, मैंने उनसे बात की है। मरांडी ने कहा कि उनके पास सबूत हैं। मैंने कहा कि यह ठीक है। मरांडी ने यह भी कहा कि वह जल्द ही इस मामले के बारे में विस्तार से बतायेंगे, क्योंकि आरोप 'मोहपाश' (हनीट्रैप) की कोशिश की ओर इशारा कर रहे हैं। शर्मा ने बक्सा में कहा, मुझे कुछ नहीं कहना है, क्योंकि मैं सिर्फ़ अपनी ज़िम्मेदारी निभा रहा हूं। अगर कोई मेरे खिलाफ़ साजिश भी रचे, तो भी मुझे कुछ नहीं कहना है। मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे इसके बारे में पूछना बुरा लग रहा है, क्योंकि यह हमारी संस्कृति नहीं है। उन्होंने (मरांडी) इसका खुलासा किया है।

बिहार की मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित हुए नौ दिन बीत गए

किसी भी दल ने आपत्ति दाखिल नहीं की : ईसी

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने रविवार को कहा कि बिहार की मसौदा मतदाता सूची एक अगस्त को प्रकाशित होने के बाद से किसी भी राजनीतिक दल ने उसमें नाम शामिल करने या हटाने के लिए उससे संपर्क नहीं किया है।

आयोग ने कहा कि मसौदा सूची एक सितंबर तक दावों और आपत्तियों के लिए उपलब्ध रहेगी, जिसके तहत पार्टियां और व्यक्ति छूटे हुए पात्र नागरिकों को शामिल करने एवं उन लोगों को बाहर करने की मांग कर सकते हैं, जिन्हें वे अयोग्य मानते हैं। निर्वाचन आयोग ने कहा कि एक अगस्त से 10 अगस्त (रविवार) की दोपहर तीन बजे तक, राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त किसी भी 'बूथ-स्तरीय एजेंट (बीएलए)' ने दावे और आपत्ति प्रक्रिया में चुनाव अधिकारियों से संपर्क नहीं किया है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, जून में राज्य मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू होने से ठीक पहले विभिन्न दलों द्वारा 1.61 लाख बीएलए तैनात किए गए हैं। व्यक्तिगत मतदाताओं के नाम शामिल करने या हटाने के लिए 8,341 फॉर्म प्राप्त हुए। मसौदा सूची निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार में कराये जा रहे मतदाता सूची के एसआईआर का हिस्सा है, जिसका विपक्षी दल विरोध कर रहे हैं। इन दलों का दावा है कि इस प्रक्रिया के कारण कई पात्र नागरिक दस्तावेजों के अभाव में अपने मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। इस मुद्दे पर बहस की मांग कर रहे विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के कारण 21 जुलाई से मानसून सत्र शुरू होने के बाद से संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही ठप रही है।

अमेरिकी शुल्क के बाद सोचना होगा कि सस्ता रूसी तेल फायदेमंद है या नहीं: अभिजीत बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा के बाद भारत को विचार करना चाहिए कि रूस से सस्ते तेल का आयात फायदेमंद है या नहीं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पिछले हफ्ते एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें भारत के रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया गया था। इससे भारत पर लगाया गया कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो जाएगा, जो दुनिया में किसी भी देश पर अमेरिका द्वारा लगाए गए सबसे अधिक शुल्कों में से एक है। अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क 27 अगस्त से लागू होगा।

बनर्जी ने बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम के मौके पर पीटीआई-भाषा से कहा, हमें इस बारे में गंभीरता से सोचना होगा कि क्या रूस से तेल आयात करने लायक है या फिर अमेरिका जाकर यह कहना होगा कि अगर हम रूसी तेल का आयात बंद कर दें, तो क्या वे इसे (शुल्क) हटा लेंगे। चूंकि भारी शुल्क से भारत द्वारा अमेरिका को किए जाने वाले 27 अरब अमेरिकी डॉलर के गैर-छूट वाले निर्यात पर असर पड़ने की आशंका है, इसलिए रूस से तेल आयात रोकने या कम करने की चर्चा हो रही है। प्रख्यात अर्थशास्त्री ने कहा, इसके बारे में सोचना गलत नहीं है।

बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के पास दो ईपीआईसी कार्ड हैं: तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के पास दो मतदाता पहचान पत्र हैं और उन्होंने पूछा कि सिन्हा के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई।

यादव ने पत्रकारों से कहा, विजय कुमार सिन्हा दो अलग-अलग जिलों के दो अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों से मतदाता हैं। उनका नाम उसी जिले के लखीसराय विधानसभा क्षेत्र और पटना जिले के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में भी दर्ज है। यादव ने कहा, उनके पास दो अलग-अलग मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) कार्ड हैं। हैरानी की बात यह है कि यह बिहार निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद हुआ है। इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, सिन्हा को या निर्वाचन आयोग को? सिन्हा के खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है? इस खुलासे के बाद वह (सिन्हा) अपने पद से कब इस्तीफा देंगे?'' यादव के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए सिन्हा ने रविवार को संवाददाताओं से कहा, पहले मेरे और मेरे परिवार के सदस्यों के नाम बांकीपुर विधानसभा सीट पर सूचीबद्ध थे। अप्रैल 2024 में मैंने लखीसराय से अपना नाम जोड़ने के लिए आवेदन किया था। मैंने बांकीपुर से अपना और अपने परिवार के सदस्यों का नाम हटाने के लिए एक फॉर्म भी भरा था। मेरे पास सबूत हैं। किसी कारण से मेरा नाम बांकीपुर से नहीं हटाया गया और यह मसौदा मतदाता सूची में दिखाई दे रहा है। मैंने बूथ स्तर के अधिकारी को फोन किया और एक लिखित आवेदन दिया तथा बांकीपुर से अपना नाम हटाने की रसीद ली। मेरे पास दोनों दस्तावेज हैं। सिन्हा ने कहा कि उन्होंने केवल एक ही जगह से वोट दिया है। उन्होंने कहा, मैं केवल एक ही जगह से वोट करता हूं। पिछली बार भी मैंने केवल एक ही जगह से वोट दिया था। जंगलराज के राजकुमार (तेजस्वी) गलत तथ्य देकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। पूरा बिहार जानता है कि वह (तेजस्वी) दूसरों की छवि खराब करने का खेल खेलते हैं। उन्हें मुझ पर झूठे आरोप लगाने के लिए माफी मांगनी चाहिए।

बंगाल सरकार ने मेरी पत्नी को भर्ती नहीं करने के लिए अस्पताल पर दबाव डाला: आरजी कर पीड़िता के पिता

कोलकाता/भाषा। आरजी कर अस्पताल मामले की पीड़िता के पिता ने रविवार को आरोप लगाया कि पिछले दिन विरोध मार्च के दौरान 'पुलिस के लाठीचार्ज' में घायल हुईं उनकी पत्नी को पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा एक निजी अस्पताल पर दबाव डालने के बाद भर्ती करने से इनकार कर दिया गया।

पीड़िता की मां का शनिवार को सीटी स्कैन और अन्य नैदानिक परीक्षण किया गया, ताकि आंतरिक और बाहरी चोटों की गंभीरता का आकलन किया जा सके। उनके माथे, हाथ और पीठ पर चोटें आई थीं। अस्पताल के अधिकारियों से जब संपर्क किया गया तो उन्होंने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया, शनिवार शाम को मेरी पत्नी की जांच करने वाले डॉक्टर ने कहा था कि उन्हें इलाज के लिए भर्ती किया जाएगा। लेकिन डॉक्टर के अस्पताल से जाने के बाद अस्पताल में अन्य लोगों के रवैये में अचानक बदलाव आ गया। वे टालमटोल करने लगे। फिर उन्होंने मुझे बताया कि मेरी पत्नी को भर्ती नहीं किया जा सकता क्योंकि राज्य सरकार की ओर से उन पर कुछ दबाव है। पीड़िता के पिता ने बताया कि जब उन्होंने डॉक्टर से संपर्क किया, तो उन्होंने कहा कि वे भर्ती के मामले पर विस्तार से बात नहीं कर पाएंगे।

भारतीय क्लब फुटबॉल संकट से गुजर रहा है लेकिन हम इसके लिए जिम्मेदार नहीं हैं : चौबे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने रविवार को स्वीकार किया कि देश की शीर्ष स्तरीय इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के भविष्य को लेकर अनिश्चितता के कारण क्लब फुटबॉल 'संकट से गुजर रहा है' और इससे उबरने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है।

आईएसएल के आयोजक एफएसडीएल ने एआईएफएफ के साथ 2010 में किए एमआरए (मास्टर अधिकार करार) के नवीनीकरण को लेकर अनिश्चितता के कारण 11 जुलाई को 2025-26 सत्र को 'स्थगित' करने का फैसला किया था जिसके बाद तीन क्लबों ने या तो अपनी शीर्ष टीम का संचालन रोक दिया है या शीर्ष टीम के खिलाड़ियों और कर्मचारियों के वेतन निलंबित कर दिए हैं। चौबे ने पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में कहा, यह सच है कि हम एक ऐसे संकट से गुजर रहे हैं जिसके लिए हम जिम्मेदार नहीं हैं।

रोहित और कोहली पर फैसला लेने की जल्दबाजी में नहीं बीसीसीआई, टी20 एशिया कप पर ध्यान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिग्गज भारतीय खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा के वनडे भविष्य को लेकर चल रही अटकलों के बीच भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) कोई भी फैसला लेने की जल्दबाजी में नहीं है और फिलहाल उसका पूरा ध्यान टी20 प्रारूप में खेले जाने वाले एशिया कप पर है।

अगस्त में प्रस्तावित बांग्लादेश के दौरे के रद्द होने के बाद भारत का अगला वनडे मैच ऑस्ट्रेलिया में 19 से 25 अक्टूबर के बीच खेली जाने वाली तीन मैचों की शृंखला में होगा। कोहली और रोहित के नाम वनडे में संयुक्त रूप से 83 शतक और 25,000 से ज्यादा रन है। भारतीय क्रिकेट में इस बात की चर्चा है कि अक्टूबर 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक रोहित 40 और कोहली 39 साल के हो जायेंगे। ऐसे में क्या ये दोनों दिग्गज तब तक टिके रह पायेंगे। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने गोपनीयता शर्त पर 'पीटीआई-भाषा' से कहा, उनके मन में अगर कोई योजना है तो जाहिर है कि वे भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के आला अधिकारियों को बताएंगे, जैसा उन्होंने इंग्लैंड टेस्ट दौरे से पहले किया था। उन्होंने कहा, भारतीय टीम के नजरिए से देखे तो अगला बड़ा टूर्नामेंट फरवरी में होने वाला टी20 विश्व कप और उससे जुड़ी तैयारियां हैं। फिलहाल ध्यान एशिया कप टी20 टूर्नामेंट के लिए सर्वश्रेष्ठ टीम भेजने पर होगा, उम्मीद है कि सभी खिलाड़ी फिट और उपलब्ध होंगे। बीसीसीआई कभी भी जल्दबाजी में फैसला नहीं लेता है और दो खिलाड़ियों के बड़े प्रशंसक वर्ग को देखते हुए किसी भी संवेदनशील फैसले से पहले वह हमेशा लोगों की भावनाओं को परखने की कोशिश करता है। इन दोनों खिलाड़ियों ने देश के लिए आखिरी टूर्नामेंट दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी खेला था। जहां कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप लीग चरण में लक्ष्य का सफलता से पीछा करते हुए शतक जड़ा था। रोहित ने फाइनल में लक्ष्य का पीछा करने के दौरान शानदार अर्धशतकीय पारी खेली थी। रोहित और कोहली ने हालांकि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद कोई भी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। कोहली अब लंदन में रहते हैं और उन्होंने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की थी जिसमें वो इंडोर नेट सत्र में अभ्यास करते हुए दिख रहे थे। इससे यह संकेत मिलता है कि उन्होंने अभ्यास करना शुरू कर दिया है।

रोहित, कोहली वनडे में असाधारण, जब तक अच्छा कर रहे तब तक खेलना चाहिए : सौरव गांगुली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के एकदिवसीय रिकॉर्ड को 'असाधारण' करार देते हुए कहा कि इन दोनों दिग्गजों को 50 ओवर के प्रारूप में तब तक खेलते रहना चाहिए जब तक कि उनका प्रदर्शन अच्छा है। कुछ मीडिया रिपोर्टों में कयास लगाया गया है कि ऑस्ट्रेलिया का आगामी दौरा इन दोनों खिलाड़ियों का आखिरी वनडे दौरा हो सकता है। गांगुली ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा कि उन्हें ऐसे किसी बात की जनकारी नहीं है।

गांगुली ने कहा, मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। इसलिए मैं इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दे सकता हूं। गांगुली ने हालांकि इस बात पर जोर दिया कि उनके करियर को आगे बढ़ाने में प्रदर्शन सबसे महत्वपूर्ण कारक होना चाहिए। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम के इतर कहा, यह कहना मुश्किल है। जो भी अच्छा करेगा, वही खेलेगा। अगर वे अच्छा करते हैं, तो उन्हें खेलना जारी रखना चाहिए। कोहली का वनडे रिकॉर्ड असाधारण है, रोहित शर्मा के साथ भी ऐसा ही है। वे दोनों सफेद गेंद की क्रिकेट (सीमित ओवरों के मैच) में असाधारण हैं। टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप से संन्यास ले चुके इन दोनों खिलाड़ियों ने 2027 के विश्व कप के बारे में अपनी योजनाओं को अभी तक स्पष्ट नहीं किया है।

भारत का एकदिवसीय शृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा 19 अक्टूबर से शुरू होगा, जिसके मैच पर्थ, एडिलेड और सिडनी में खेले जाएंगे। इसके बाद दिसंबर में भारत घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन वनडे मैच खेलेगा। भारती टीम 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ दो बार, अफगानिस्तान, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ वनडे शृंखलाओं में खेलेगी। दुबई में नौ सितंबर से शुरू होने वाले आगामी टी-20 एशिया कप के बारे में पूछे जाने पर गांगुली ने भारतीय टीम को जीत का दावेदार बताया।

सुविचार

शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिससे आप दुनिया को बदल सकते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ऑपरेशन सिंदूर ने रचा नया इतिहास

एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह द्वारा की गई यह टिप्पणी कि 'भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमानों और एक बड़े विमान को मार गिराने में कामयाबी हासिल की', हमारे वीर सैनिकों द्वारा दिखाए गए पराक्रम का ऐसा प्रमाण है, जो इतिहास के पृष्ठों में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया है। यह भारत द्वारा सतह से हवा में मार गिराने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है, जिसके बारे में अध्ययन कर देश के युवा भविष्य में महान योद्धा बनेंगे। पाकिस्तान ने अपने यहां हुए नुकसान को छिपाने की बहुत कोशिश की थी, लेकिन तकनीक के युग में यह संभव नहीं है। भारत के पास उपग्रहों से ली गईं तस्वीरें हैं, जिनसे साफ पता चलता है कि इस पड़ोसी देश को भारी तबाही का सामना करना पड़ा था। अब भारत के वायुसेना प्रमुख की टिप्पणी से दुनिया को पता चल गया है कि हमने आतंकवाद की लंका का न केवल दहन किया, बल्कि खूंखार आतंकवादियों का खात्मा कर पहलगाम हमले के पीड़ितों को न्याय भी दिलाया। एयर चीफ मार्शल का यह कथन कि 'हमारे पास कम से कम पांच लड़ाकू विमानों को मार गिराए जाने की पुष्ट जानकारी है और एक बड़ा विमान है, जो या तो विमान हो सकता है या फिर एडब्ल्यूसी (एयरबोर्न वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम), जिसे लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से निशाना बनाया गया', भारतीय हथियारों और एयर डिफेंस सिस्टम की शानदार काबिलियत को दर्शाता है। हमें इन्हें विक्रय के लिए प्रस्तुत करना चाहिए। अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, इजराइल जैसे देशों की तकनीक बहुत महंगी पड़ती है। भारत अपने मित्र देशों को तुलनात्मक रूप से कम कीमत में बेहतर हथियार एवं एयर डिफेंस सिस्टम बनाकर दे सकता है।

वायुसेना प्रमुख के बयान से यह भी स्पष्ट हुआ है कि केंद्र सरकार ने लक्ष्य पर प्रहार करने के लिए मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाई थी। इसके बगैर यह ऑपरेशन संभव ही नहीं होता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम की घटना के बाद एक कार्यक्रम में दुनिया के नाम यह पैगाम दे दिया था कि आतंकवादियों और उनके आकाओं को मिट्टी में मिला देंगे। ऑपरेशन सिंदूर में यही हुआ। अगर ऐसी इच्छाशक्ति पिछली सरकारों ने दिखाई होती तो पाकिस्तान का दुस्साहस नहीं बढ़ता। ऑपरेशन सिंदूर ने आईसी 814 के गुनहगारों तक का हिसाब कर दिया। इससे पीओके से लेकर पाकिस्तान की जमीन पर पल रहे आतंकवादियों में डर का माहौल है। क्या पता कब भारत से कोई मिसाइल आकर उन्हें परलोक भेजने का इंतजाम कर दे! हाल में कई पाकिस्तानी आतंकवादी 'अज्ञात' लोगों द्वारा मौत के घाट उतारे जा चुके हैं। यह कार्रवाई कौन कर रहा है? इसके बारे में किसी भी एजेंसी ने कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन पाकिस्तानी आतंकवादी यह मानने लगे हैं कि अब उनके दिन पूरे हो गए हैं। ऑपरेशन सिंदूर ने तो कहर ही बरपा दिया था। इससे आतंकवादियों के अलावा उन ताकतों में भी खलबली मची हुई है, जो पाकिस्तान को आर्थिक और सैन्य मदद पहुंचाती हैं। अमेरिका, चीन और तुर्किये जैसे देशों ने पाकिस्तान की पीठ थपथपाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा की गई कार्रवाई ने इनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। ये देश चाहते हैं कि भारत पर पाकिस्तान की ओर से आतंकवाद का दबाव बना रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तो पाकिस्तान की खुलेआम तरफदारी कर अब तक इसी कोशिश में जुटे हैं कि उन्हें शांति के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार दे दिया जाए। भारत ने उन्हें खरी-खरी सुनाकर पोल खोल दी। तब से ट्रंप भड़के हुए हैं। ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी ने भारत की सैन्य शक्ति को विश्व पटल पर स्थापित किया है। यह दर्शाता है कि हमारी रणनीतिक दृष्टि और कूटनीतिक कौशल अब वैश्विक मंच पर नया मुकाम हासिल कर रहे हैं।

ट्वीटर टॉक

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर आज रक्षाबंधन सहित अन्य सभी त्योहारों पर 'वोकल फॉर लोकल' के भाव को आत्मसात करते हुए स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का संकल्प लें। इससे देश की रक्षा क्षमता सुदृढ़ होगी।

-मदन दिलावर

रक्षाबंधन के त्योहारी वातावरण में आज जोधपुर निवास पर पुनः बहनों का सत्कार करने का सौभाग्य मिला। भाजपा महिला मोर्चा की मेरी बहनों ने भी रक्षासूत्र बाँधकर मुझे उपकृत किया। मेरी ये बहनें जनसेवा के मेरे संकल्प को सशक्त बनाती हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

वोट चोरी 'एक व्यक्ति, एक वोट' के बुनियादी लोकतांत्रिक सिद्धांत पर हमला है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए साफ़-सुथरी मतदाता सूची अनिवार्य है। चुनाव आयोग से हमारी मांग साफ़ है - पारदर्शिता दिखाएं और डिजिटल मतदाता सूची सार्वजनिक करें।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

नेकी का फल

एक गांव में नीलू नाम का लड़का रहता था। नीलू गरीब था, लेकिन उसका दिल बड़ा ही उदार था। वह गरीबों की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहता था। एक दिन, नीलू ने अपने गांव के एक साधु को देखा जो गहन तपस्या कर रहे थे। नीलू ने साधु के पास जाकर प्रणाम किया और पूछा- बाबा, आप इतनी कठिन तपस्या क्यों कर रहे हैं? साधु ने हंसते हुए कहा बेटा, मैं इस तपस्या से आत्मा को शुद्ध कर रहा हूं और मुक्ति प्राप्त करने का प्रयास कर रहा हूँ। नीलू ने सोचा- बाबा तो इतनी तपस्या कर रहे हैं, मुझे भी कुछ करना चाहिए। उसने तय किया कि वह भी तपस्या करेगा। नीलू ने अपने गांव के पास एक पुराना वृक्ष देखा, जिस पर कुछ बर्फबारी के कारण पौधे सूख गए थे। उसने वहां जाकर उसे पानी देना शुरू किया। हर दिन, वह उस वृक्ष के पास जाकर पानी देता और उसका ध्यान रखता। कुछ महीनों बाद, वृक्ष में फिर से हरी-भरी पत्तियां उगना शुरू हो गईं। नीलू का दिल खुशी से भर गया। एक दिन, जब वह साधु के पास गया और उसने अपनी कठिन तपस्या के बारे में बताया तो साधु ने उसके प्रयास को सराहा। उन्होंने नीलू को सिखाया कि हर कार्य की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और नेकी का फल हमें कभी न कभी जरूर मिलता है।

सामयिक

पुस्तकालयों को उन्नत बनाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

मोबाइल : 082374 17041

जीवन विकास का मुख्य आधार शिक्षा और उस शिक्षा की मुख्य आधारशिला पुस्तकालय होते है, शिक्षा को सक्षम बनाने में विकसित पुस्तकालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। विश्वभर में पुस्तकालयों ने बेहतर विकास किया है, अब ई-पुस्तकें और सभी प्रकार के ई-साहित्य इंटरनेट के द्वारा हर जगह आसानी से उपलब्ध हो जाते है। डिजिटल व वर्चुअल पुस्तकालयों की मांग लगातार बढ़ रही है। हमारे देश के अनेक उच्च शिक्षा संस्थान, महंगे निजी शिक्षा संस्थान भी पुस्तकालयों को बेहतर ढंग से विकसित कर पाठकों को सर्वश्रेष्ठ सेवा उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है। सरकार भी शिक्षा और पुस्तकालयों के विकास के लिए सहायता कर रही है, फिर भी जनसंख्या और आवश्यकतानुरूप उन्नत पुस्तकालयों के मामले में हम काफी पिछड़े हुए है। आज के आधुनिक युग में तकनीकी रूप से बेहद नवीनतम संसाधनों का उपयोग पुस्तकालयों में किया जा रहा है, ताकि पाठकों को बेहतर सुविधाओं का लाभ कम समय में सहज मिल सकें। अभी एआई क्रांति शुरू हुई है, जिसने पुस्तकालयों को भी प्रभावित किया है, अर्थात कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग पुस्तकालयों को उन्नत बनाने में हो रहा है।

देश में पुस्तकालय विज्ञान क्षेत्र के पितामह कहलानेवाले पद्मश्री डॉ. एस आर रंगनाथनजी की जयंती 12 अगस्त को राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस के रूप में मनाई जाती है। पुस्तकालयों का बेहतर विकास, सेवासुविधा और प्रत्येक पाठक और पुस्तक तक सहज पहुंच पुस्तकालय के न्यायसंगत नीति का निर्धार है। पद्मश्री डॉ. एसआर रंगनाथनजी द्वारा दिए गए पुस्तकालय विज्ञान के पाँच नियमों का कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा बेहतर ढंग से पालन किया जा सकता है। पुस्तकें उपयोग के लिए होती हैं, प्रत्येक पाठक को उसकी पुस्तक मिलनी चाहिए, प्रत्येक पुस्तक को पाठक मिलना चाहिए, पाठकों का समय बचना चाहिए और पुस्तकालय एक विकासशील संस्था है। ये नियम पुस्तकालयों की सुलभता, उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं और उनके विकासशील स्वरूप के महत्व पर ज़ोर देते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता इन पाँच नियमों का बखूबी पालन कर सकती है।

आज के सूचना युग में हर पल डेटा का ज्ञानरूपी विस्फोट हो रहा है, उस ज्ञान का अत्यल्प समय में योग्य पाठक तक पहुंचना बेहद आवश्यक होता है, इसलिए अब तकनिकी संसाधनों पर निर्भरता बढ़ गयी है। बहुत से क्षेत्रों में अब एआई का उपयोग बेहद प्रभावशाली ढंग से किया जा रहा है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता सूचना क्षेत्र में बदलाव ला रही है और पुस्तकालयाध्यक्षों के पारंपरिक कार्य को नया रूप दे रही है। शैक्षणिक और शोध पुस्तकालय अपनी सेवाओं और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ को बेहतर बनाने के लिए नई तकनीकों को अपना रहे है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता इसका मुख्य साधन है। पाठकों को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सक्रिय नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनाना होगा। यह उन्नत तकनीक पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए नए मार्ग खोलेगी। नए नवोन्मेषी पदों और भूमिकाओं को संभालने, वर्तमान चुनौतियों का समाधान करने और उन्हें अप्रचलित होने से बचाने में मदद करेगी।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण पाठकों के लिए योग्य पुस्तकें, लेख और अन्य साहित्य सामग्री तेज़ी से ढूँढ़ना आसान बनाते हैं। मशीन लर्निंग के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता की क्षमताएँ शैक्षणिक पुस्तकालयों में व्यक्तिगत शिक्षण अनुभवों के द्वार खोलती हैं। उपयोगकर्ताओं के व्यवहार और प्राथमिकताओं का विश्लेषण करके, पुस्तकालय व्यक्तिगत आवश्यकताओं के आधार पर सुझाव और संसाधन तैयार कर सकते हैं। एआई साहित्यों के उपयोग पैटर्न का विश्लेषण करके और विशिष्ट संसाधनों की भविष्य की मांग का अनुमान लगाकर संग्रह विकास को अनुकूलित करने में मदद कर सकता है।

अनुक्रमण स्वचालन पाठकों को नई सामग्री खोजने, विशिष्ट और सटीक साहित्य सामग्री उपलब्ध कराकर और विभिन्न विषयों के बीच नेविगेट करने में भी एआई मदद करेगा, जो मैन्युअल अनुक्रमण के साथ आसानी से संभव नहीं है, जिससे पाठकों और कर्मचारियों का समय बचेगा। किसी एक विषय पर दस्तावेज़ों का मिलान करना या समान विषय, समाधान या घटना का वर्णन करने वाले अनुभाग जोड़ना संभव है। विषय से प्रासंगिक रूप से संबंधित हज़ारों दस्तावेजों की सामग्री की तुलना कर सकते हैं। दुनियाभर में इंटरनेट पर उपलब्ध साहित्यों में से एआई विषय अनुसार दस्तावेज को खोजकर उसका अध्ययन करके उसका डाटा पाठकों को जल्द प्रदान करता है। शोधपत्रों के वास्तविक पाठ पर आधारित एआई एल्गोरिदम वास्तविक शोध की बेहतर मानचित्रण प्रणालियाँ तैयार करेगा, जिससे शोधकर्ताओं के लिए यह सहायक साबित होंगे। किसी भी पुस्तक या लेखों का सारांशीकरण एआई की मदद से करना बेहद आसान प्रक्रिया है, बड़े-बड़े डेटा को यह छोटे-छोटे पैराग्राफ में उपलब्ध कर देता है।

एआई साधन नई पुस्तक, पत्रिका या अन्य साहित्य प्रकाशित होने पर अलर्ट साथ ही पाठकों को विशिष्ट पुस्तकालय संसाधनों तक निर्देशित कर सकते हैं। बार-बार दोहराए जाने वाले प्रश्नों के उत्तर देने की झंझट खत्म होगी, दुहराव रुकेगा, समय की बचत होगी। पुस्तकालय के काम में गुणवत्ता बढ़ेगी। शोध का सत्यापन या पुन: प्रयोज्यता उसके पाठकों की संख्या से अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ठोस और मान्य शोध ही है जो व्यापक पाठकों का हकदार है। पुस्तकालय प्रक्रियाओं और डिजिटल संसाधनों में मशीन लर्निंग को लागू करने से संग्रह विश्लेषण, विज़ुअलाइज़ेशन और संरक्षण को अनुकूलित किया जा सकता है और सेवाओं के प्रावधान से जुड़ी लागतों को कम किया जा सकता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण उन्नत खोज क्षमताएँ प्रदान करके, प्रासंगिक संसाधनों की अनुशंसा कर डेटा विश्लेषण में सहायता द्वारा छात्रों और शोधकर्ताओं की मदद होती है। पुस्तकालयों में वर्चुअल असिस्टेंट और चैटबॉट का उपयोग काफी सामान्य हो गया है, अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों के उत्तर देकर मार्गदर्शन होता है, इससे संबंधित कर्मचारियों का काम आसान हो गया है।

एआई पुस्तकालय सेवाओं को बढ़ा सकता है और सतर्कता में सुधार कर सकता है, लेकिन यह एल्गोरिदम संबंधी पूर्वाग्रह, डेटा सुरक्षा, कॉपीराइट संबंधी चिंताएँ और मानवीय संपर्क के संभावित विस्थापन के बारे में चिंताएं भी पैदा करता है। एआई से कोई भी तथ्य प्राप्त कर सकता है, लेकिन यह समझना कि उन तथ्यों का क्या अर्थ है, वे कैसे जुड़ते हैं, और क्या वे विश्वसनीय हैं, यहीं पर मानवीय विशेषज्ञता अमूल्य हो जाती है। एआई-संचालित स्वचालन पुस्तकालय कर्मचारियों और पाठकों के बीच मानवीय संपर्क को कम कर सकता है, जिससे पुस्तकालयों द्वारा उपयोग किए जाने वाले व्यक्तिगत समर्थन और मार्गदर्शन पर संभावित रूप से असर पड़ सकता है। एआई का उपयोग गलत सूचना उत्पन्न करने और झूठ फैलाने के लिए भी होने की संभावना है, जिससे सूचना के एक विश्वसनीय स्रोत के रूप में पुस्तकालय की भूमिका को चुनौती मिल सकती है। विश्व में मोबाइल और कंप्यूटर क्रांति मनुष्य के विकास के लिए हुई, लेकिन इस तकनीक के नुकसान भी देखने मिल रहे है। आज साइबर क्राइम, सोशल मीडिया एडिक्शन, ऑनलाइन फेक पहचान, पैसे लगाकर खेले जाने वाले ऑनलाइन गेम्स, असहज करने वाले भड़काऊ विज्ञापन, ई-अपशिस्ट, रेडिएशन इससे हर साल अरबों डॉलर का नुकसान होता है, साथ ही बड़ी मात्रा में जानमाल, अमूल्य स्वास्थ्य व पर्यावरण की हानि होती है। इसी तरह कृत्रिम बुद्धिमत्ता से भविष्य में होनेवाले दुरुपयोग या संकटों को भी नकारा नहीं जा सकता।

एआई इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारी में से ही सूचनाओं को आवश्यकतानुसार छानकर प्रस्तुत करता है। पुस्तकालयों को सभी पाठकों के लिए एआई संचालित सेवाओं को सुलभ बनाने का प्रयास करना चाहिए, पुस्तकालयों को पुस्तकालय के मूल्यों के अनुरूप समाधान विकसित और कार्यान्वित करने के लिए पुस्तकालयाध्यक्षों, प्रौद्योगिकीविदों और अन्य हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अपनाते हुए, पुस्तकालयों को अपनी सेवाओं के मानवीय पहलू को बनाए रखने और बढ़ाने का भी प्रयास करना चाहिए। हालाँकि एआई पुस्तकालयों के लिए कई लाभ प्रदान करता है, लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए संभावित खतरों और चुनौतियों का समाधान करना महत्वपूर्ण है। भविष्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का असर बेहद तेजी से मानवीय विकास में होगा यही मानकर हम इसका सदुपयोग करेंगे और पुस्तकालय उन्नत बनाने में इसका योगदान अमूल्य साबित हो सकता है, केवल हमें इसके उपयोग में पारंगत, सतर्क और जागरूक होना जरुरी है।

नजरिया

ऑस्ट्रिया के वियना में कबूतरों को दाना डालने पर 36 यूरो जुर्माना लगता है। स्पेन के कई शहरों में ओविस्टोप नामक ड्रग का प्रयोग इनके दाने में मिलाकर किया जाता है जो एक प्रकार का गर्भ निरोधक है। सैन फ्रांसिस्को के अलावा लन्दन के मशहूर ट्राफलगर स्क्वायर पर कबूतरों को दाना डालने पर प्रतिबन्ध है। इटली के वेनिस शहर में सेंट मार्क स्क्वायर पर दाना बेचने वालों पर कठोर जुर्माने का प्रावधान है।

जैव विविधता और इंसान की सांसों में ज़हर घोल रहे कबूतर

हरीश शिवनानी

मोबाइल : 9829210036

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में गत सप्ताह पुलिस में एक अनूठा मामला दर्ज किया गया है जो संभवतः देश का पहला ऐसा मामला होगा। मुंबई में एक व्यक्ति के विरुद्ध कबूतरों को दाना डालने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई और 142 लोगों पर 68,700 रुपए का जुर्माना लगाया गया। मामला बृहतमुम्बई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) से लेकर उच्च न्यायालय तक पहुंच कर देश भर में चर्चित हो गया। बीएमसी ने कबूतरों को मानव-स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताते हुए शहर के कबूतरखानों को बंद करने और खुले चौक वाले स्थानों पर तिरपाल लगाने के आदेश दिए हैं। इससे देश के पक्षी प्रेमियों, धार्मिक-सामाजिक संगठनों में इस बात को लेकर रोष और विरोध शुरू हो गया है। इसके साथ ही जीवविज्ञानियों और चिकित्सकों में कबूतरों को लेकर बहस छिड़ गई है कि क्या कबूतर जैसा सौम्य, शांत जैसा दिखने वाला पक्षी भी मनुष्य के लिए घातक हो सकता है ? ज़वाब है हाँ, कबूतर न केवल मानव -स्वास्थ्य बल्कि पारिस्थितिकी और जैव विविधता के लिए भी घातक साबित हो रहा है।

पिछले कुछ दशकों में कबूतरों की अनियंत्रित बढ़ती आबादी चिंता का विषय बन गई है। इससे न केवल अन्य छोटे पक्षियों की संख्या पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है बल्कि स्थानीय जैव विविधता में भी भारी अंतर आ रहा है। कबूतर कई प्रकार के वायरस का भी संवहन करते हैं जो अस्थमा व साँस की बीमारियों से प्रभावित लोगों के लिए काफी ख़तरनाक, ज़हरीले साबित हो रहे हैं। एक मादा कबूतर वर्ष भर में 48 बच्चों को जन्म दे सकती है और एक कबूतर एक वर्ष में औसतन 12 किलोग्राम बीट उत्सर्जित करता है जो अत्यधिक अम्लीय तथा ज़हरीली होती है। सूखने के बाद यह हवा में धूल के साथ मिलकर आसानी से प्रसारित होती है। भारत के हर गांव,कस्बे,शहर में अनेक जगहों पर रोजाना खूब दाना डाला जाता है। अब यह परंपरा घातक हो सकती है।

अमेरिका के जैव विज्ञानी और पक्षी विशेषज्ञ रॉबर्ट ए. पियर्स की शोध रिपोर्ट है कि कबूतरों के पंखों की फड़फड़ाहट व इनकी बीट में पाए जाने वाले सूक्ष्म जीवाणु और कीटाणु, कवक, खांसी, जुकाम, अस्थमा और फेफड़ों में संक्रमण सहित अनेक बीमारियों के कारण बन सकते हैं। शोध में कबूतर के बीट व पंखों में 20 से अधिक पैथोजेनिक बैक्टीरिया और फंगस पाए गए। कबूतरों की बीट लंबे समय तक जमा रहने दी जाए, तो हिस्टोप्लास्मोसिस रोग उत्पन्न कर सकती है, जो मानव श्वसन तंत्र को गम्भीर रूप से प्रभावित करता है।

कबूतर प्रत्यक्ष रूप से स्वयं ही बीमारी नहीं फैलाते बल्कि वे अन्य पक्षियों में बीमारी के बैक्टीरिया संचारित कर उनके माध्यम से भी इंसानों में प्रसारित करते हैं। मसलन, एक बीमारी है- सिटाकोसिस। यह रोग कबूतरों से विभिन्न पक्षियों की कई अलग-अलग प्रजातियों को प्रभावित कर सकता है। संचरण करते करते संक्रमित पक्षी श्वसन स्रावों और मल के माध्यम से बैक्टीरिया छोड़ते हैं। जब ये स्राव और मल सूख जाते हैं, तो धूल बनकर हवा में फैल जाती है और साँस के ज़रिए मानव श्वसन तंत्र में प्रवेश कर जाती है। यह श्वसन रोग पक्षियों द्वारा छोड़े गए क्लैमाइडिया सिटासी बैक्टीरिया से होता है। इसे 'तोता बुखार' भी कहा जाता है। पिछले 7-8 वर्षों में ऐसी बीमारियों के मामले पांच गुना बढ़ चुके हैं। पक्षियों के अलावा कबूतरों के बाहरी परजीवियों में घुन, पिस्सू, किलनी और कीड़े शामिल हैं जो परोक्ष रूप में घातक बीमारियों के संचरण में सहायक बनते हैं। जीव-पक्षियों,खेतों के लिए भी ख़तरनाक मानव-स्वास्थ्य के अलावा कबूतर पारिस्थितिकी और जैव विविधता के लिए ख़तरनाक साबित हो रहे हैं। कबूतर बड़ी मात्रा में बीज और अन्य खाद्य संसाधनों का उपभोग करते हैं, जो अन्य पक्षियों और छोटे जीवों के लिए भोजन की कमी का कारण बनता है। वे घोंसले बनाने की जगह के लिए भी अन्य स्थानीय पक्षियों (जैसे गौरैया, मैना आदि) के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं और छोटे पक्षियों जैसे गोरैया, तोते व अन्य पक्षियों का भोजन भी चट कर जाते हैं; जिससे इन अन्य पक्षियों की संख्या में बेहद कमी आई है, छोटी चिड़िया (गौरेया), जो कीटों का भक्षण करके कृषि में सहायक होती थी, आज विलुप्त प्रायः है तथा कबूतरों के बचे दाने से आकर्षित होकर चूहों की संख्या में वृद्धि भी कृषि के लिए हानिकारक साबित हो रही है। जलाशयों के निकट इनकी उपस्थिति, पंखों से गंदगी, बीट निष्कासन छोटी मछलियों व अन्य जलीय जीवों के लिए भी ज़हरीली साबित होती है। उनकी अम्लीय बीट मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित लेती है। यह पौधों की वृद्धि को भी नुकसान पहुंचाती है।

यह समस्या भारत की ही नहीं, पूरे विश्व की है। ऑस्ट्रिया के वियना में कबूतरों को दाना डालने पर 36 यूरो जुर्माना लगता है। स्पेन के कई शहरों में ओविस्टोप नामक ड्रग का प्रयोग इनके दाने में मिलाकर किया जाता है जो एक प्रकार का गर्भ निरोधक है। सैन फ्रांसिस्को के अलावा लन्दन के मशहूर ट्राफलगर स्क्वायर पर कबूतरों को दाना डालने पर प्रतिबन्ध है। इटली के वेनिस शहर में सेंट मार्क स्क्वायर पर दाना बेचने वालों पर कठोर जुर्माने का प्रावधान है। ऑस्ट्रेलिया, अमरीका, न्यूजीलैंड, कनाडा, जर्मनी जैसे देशों के महानगरों में इन्हें पालना प्रतिबंधित है। भारत में भी इस प्रकार के नियमों की सख्त आवश्यकता है ताकि समय रहते घातक बीमारियों तथा अन्य पक्षियों की संख्या में आ रही गिरावट को रोककर जैव विविधता का संतुलन बनाया जा सके।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

हडताल

जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस ने रविवार को जम्मू में 'हमारी रियासत हमारा हक' अभियान के तहत जम्मू-कश्मीर में राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर क्रमिक भूख हड़ताल शुरू की।

मुनीर ने अमेरिका की दूसरी यात्रा के दौरान राजनीतिक, सैन्य नेताओं से मुलाकात की

इस्लामाबाद/भाषा। भारत के साथ चार दिन के संघर्ष के बाद दूसरी बार वाशिंगटन का दौरा कर रहे पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने अमेरिका के शीर्ष राजनीतिक और सैन्य नेताओं से मुलाकात की है। सेना ने रविवार को यह जानकारी दी।

सेना ने यहां जारी एक बयान में कहा कि सेना प्रमुख अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर हैं। बयान के अनुसार, सेना प्रमुख ने वरिष्ठ राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के साथ-साथ पाकिस्तानी प्रवासियों के साथ बातचीत की।

अमेरिका में सेना प्रमुख के प्रवास के बारे में कोई विवरण साझा नहीं किया गया तथा यह भी स्पष्ट नहीं है कि वह कब पहुंचे।

टाम्पा में, मुनीर ने निवर्तमान अमेरिकी सेंट्रल कमान (सेंटकॉम) कमांडर जनरल

माइकल ई. कुरिल्ला के सेवानिवृत्ति समारोह और एडमिरल ब्रैड कूपर द्वारा कमान संभालने के अवसर पर आयोजित कमान परिवर्तन समारोह में भाग लिया।

बयान में कहा गया कि फील्ड मार्शल मुनीर ने जनरल कुरिल्ला के अनुकरणीय नेतृत्व और द्विपक्षीय सैन्य सहयोग को मजबूत करने में उनके अमूल्य योगदान की सराहना की तथा साझा सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए निरंतर सहयोग में विश्वास व्यक्त करते हुए एडमिरल कूपर को अपनी शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर, मुनीर ने मित्र देशों के रक्षा प्रमुखों से बातचीत की। पाकिस्तानी प्रवासियों के साथ एक संवाद सत्र के दौरान, मुनीर ने उनसे पाकिस्तान के उज्ज्वल भविष्य में विश्वास बनाए रखने और निवेश आकर्षित करने में सक्रिय रूप से योगदान देने का आग्रह किया।

सेना के अनुसार, प्रवासियों ने पाकिस्तान की प्रगति और विकास में सहयोग देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। जून में, मुनीर अमेरिका की पांच दिवसीय यात्रा पर गए थे। इस यात्रा के दौरान वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ दोपहर के भोजन में शामिल हुए। आमतौर पर इस तरह का सम्मान किसी राष्ट्राध्यक्ष या शासनप्रमुख को दिया जाता है। उस मुलाकात के अंत में ट्रंप ने तेल सौदे सहित विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिका-पाकिस्तान सहयोग बढ़ाने की घोषणा की।

'महावतार नरसिम्हा' ने 104.14 करोड़ रुपए की कमाई की

नई दिल्ली/भाषा। अश्विन कुमार की एनिमेटेड फिल्म ''महावतार नरसिम्हा'' ने देशभर में टिकट खिड़की पर 100 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की है।शिल्पा धवन, कुशाल देसाई और चैतन्य देसाई द्वारा निर्मित यह फिल्म 'क्लीम प्रोडक्शंस' के बैनर तले बनी है और इसे होम्बले फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत किया गया है। निर्माताओं के अनुसार, फिल्म ने देश के सिनेमा घरों की टिकट खिड़की पर कुल 104.14 करोड़ रुपए की कमाई की है। वैश्विक स्तर पर इस फिल्म की कमाई 175 करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। यह फिल्म 25 जुलाई को रिलीज हुई थी और अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय एनिमेटेड फिल्म बन गई है।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की पाकिस्तान यात्रा रद्द

इस्लामाबाद/भाषा। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी की पाकिस्तान की प्रस्तावित यात्रा रद्द होने के पीछे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) द्वारा लगाए गए यात्रा प्रतिबंध को माना जा रहा है। मीडिया की एक खबर में यह जानकारी दी गई। 'डॉन' की खबर के अनुसार, अप्रैल में पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार की काबुल यात्रा के बाद शुरू हुए उच्च स्तरीय संपर्कों को बरकरार रखते हुए मुत्तकी के चार अगस्त को इस्लामाबाद आने की संभावना थी। हालांकि, राजनयिक सूत्रों ने कहा कि अमेरिका ने यूएनएससी की उस छूट को रोक दिया है, जिसके तहत मुत्तकी को पाकिस्तान की यात्रा करने की अनुमति मिलती। चूंकि, अफगानिस्तान के विदेश मंत्री पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगे हुए हैं, इसलिए उन्हें किसी भी विदेश यात्रा के लिए संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंध समिति से विशेष अनुमोदन की आवश्यकता होती है।

सूत्रों का हवाला देते हुए अखबार ने कहा कि अमेरिका ने अपना निर्णय अंतिम क्षण तक टाल दिया और अंततः छूट देने से इनकार कर दिया, जिससे यात्रा रद्द हो गई। यूएनएससी में एक प्रमुख सदस्य के रूप में अमेरिका 1988 प्रतिबंध समिति में महत्वपूर्ण प्रभाव रखता है। यह समिति संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 1988 (2011) के तहत तालिबान से जुड़े व्यक्तियों और समूहों को लक्षित करते हुए यात्रा, संपत्ति और हथियार से संबंधित प्रतिबंधों का प्रबंधन करती है। विदेश कार्यालय ने शुक्रवार को संकेत दिया कि प्रक्रियागत मुद्दों के कारण यात्रा में बाधा आई। मुत्तकी की रद्द यात्रा पर खबरों के बारे में पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर, विदेश कार्यालय के प्रवक्ता शफाकत अली खान ने कहा, कुछ प्रक्रियागत मुद्दे हैं, जिन पर हम काम कर रहे हैं।

बाइक रैली

महिलाओं ने रविवार को गुवाहाटी में 'सैल्यूट वीरांगना' बाइक रैली निकाली। यह रैली भारत माता की सेवा में समर्पित प्रत्येक वीरांगना को नमन करने के लिए आयोजित की गई थी। इसमें कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर भौमिका सिंह भी शामिल थीं, जिन्होंने हाल ही में कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादियों की बर्बर हत्या का बदला लेने के लिए 'ऑपरेशन सेंदूर' में सशक्त नेतृत्व का परिचय दिया था।

न्याय लोगों के द्वार तक पहुंचना चाहिए, सत्ता के गलियारे तक सीमित नहीं रहना चाहिए : सीजेआई गवई

ईटानगर/भाषा

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई ने रविवार को कहा कि न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका का अस्तित्व केवल लोगों की सेवा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए है कि न्याय शीघ्रता से और न्यूनतम खर्च पर मिले। उन्होंने यहां गुवाहाटी उच्च न्यायालय की ईटानगर स्थायी पीठ के नवनिर्मित भवन का उदघाटन करने के बाद कहा, मैं हमेशा से विकेंद्रीकरण का प्रबल समर्थक रहा हूं। न्याय लोगों के दरवाजे तक पहुंचना चाहिए।न्यायमूर्ति गवई ने कहा, न तो न्यायालय, न न्यायपालिका, न ही विधायिका, राजघरानों, न्यायाधीशों या कार्यपालिका के सदस्यों के लिए हैं। हम सभी लोगों को न्याय देने के लिए मौजूद हैं। उन्होंने न्याय को और अधिक सुलभ बनाने के लिए गुवाहाटी उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीशों की सराहना की।अरुणाचल प्रदेश की विविधता में एकता की सराहना करते हुए, प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि राज्य में 26 प्रमुख जनजातियां और 100 से ज्यादा उप-जनजातियां हैं तथा सरकार ने हर जनजाति की परंपराओं एवं संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा, देश को प्रगति करनी चाहिए, लेकिन हमारी संस्कृति और परंपराओं की कीमत पर नहीं। संविधान के तहत इनका संरक्षण हमारा एक मौलिक कर्तव्य है।

पिछले दो वर्षों में कई पूर्वोत्तर राज्यों की अपनी यात्राओं को याद करते हुए, न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि वह वहां की जीवंत आदिवासी संस्कृति से ''मंत्रमुग्ध'' हो गए थे।

हाल ही में संघर्षग्रस्त मणिपुर के आश्रय गृहों के दौरे का जिक्र करते हुए, प्रधान न्यायाधीश ने कहा, वहां एक महिला ने मुझसे कहा, आपका अपने घर में स्वागत है'। यह बात मेरे दिल को छू गई क्योंकि हम सभी के लिए भारत एक है और सभी भारतीयों के लिए भारत ही उनका घर है।

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में वृंदा के किरदार में दिखेंगी तनीषा मेहता

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री तनीषा मेहता, 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी सीजन 2' में वृंदा का किरदार निभा रही हैं, अभिनेत्री ने शो से जुड़ने और अपनी जिंदगी में 'तुलसी' से जुड़ाव की कहानी सुनाई। अभिनेत्री ने कहा, यह सच में एक सपने को सच करने जैसा लगता है, इतनी प्रसिद्ध टीवी सीरीज में मुख्य किरदार की भूमिका निभाना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं यह शो देखकर बड़ी हुई हूं, जो लोग आपकी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन जाते हैं वो खास यादें बन जाते हैं। अब इस कहानी का हिस्सा बनना मेरे लिए एक खास है। उन्होंने आगे कहा, मैं अपने किरदार को बखूबी से निभाने के लिए पूरी ताकत लगा रही हूं। मुझे बस दर्शकों से यही उम्मीद है कि वह मुझे भी उतना ही प्यार दें, जितना उन्होंने हमेशा से इस शो को दिया है। जब मैं इसके बारे में सोचती हूं, तो मेरी रूह कांप

जाती है। मैं इस मौके के लिए एकता कपूर मैम की आभारी हूं।

तुलसी के पौधे के बारे में बात करते हुए तनीषा ने कहा, तुलसी एक ऐसा पौधा है जिसका हमारे यहां बहुत गहरा सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है। माना जाता है कि यह घर को बुरी नजर और नकारात्मकता से बचाती है। साथ ही घर में खुशियां और शांति लाती है। तुलसी भक्ति का प्रतीक है और हमें हमारे आध्यात्मिक मूल्यों और परंपराओं की याद दिलाती है। उन्होंने आगे कहा, और यह उन पौधों में से एक है जिसे मैंने अपने घर में लगाया जब मैं वहां रहने आई। अभिनेत्री ने बताया कि वह अब बहुत धार्मिक हो गई हैं। उन्होंने कहा, बहुत लोगों को ये नहीं पता, लेकिन कई सालों से मैं धर्मपरायण बन गई हूं। मैं इस बारे में ज्यादा बात नहीं करती, लेकिन मेरे अपने विश्वास और तरीके हैं।

अपने मॉर्निंग रूटीन के बारे में अभिनेत्री ने बताया, मैं बहुत समय से ये रूटीन फॉलो कर रही हूं। हर सोमवार सुबह, मैं अपने बिल्डिंग के ठीक नीचे वाले मंदिर जाती हूं। वहां मैं महादेव का अभिषेक करती हूं। हर सुबह मैं सूर्य देवता को जल (पानी) अर्पित करती हूं, और साथ ही तुलसी के पौधे को भी। वर्कफ्रंट की बात करें तो तनीषा मेहता 'शुभ लाभ आपके घर में' (2021), 'लग जा गले' (2023), और 'इक कुड़ी पंजाब दी' (2023) जैसे टीवी सीरियल में देखी जा चुकी हैं।

एयरपोर्ट पर अल्लू अर्जुन की सीआईएसएफ अफसरों से हुई बहस

मुंबई/एजेन्सी

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन का एक वीडियो वायरल है। इस वीडियो में अल्लू अर्जुन के एयरपोर्ट की एंट्री पर सीआईएसएफ ऑफिसर से किए गए व्यवहार को लेकर वो लोगों के निशाने पर आ गए। अब उन्हें उनके इस व्यवहार को लेकर ट्रोल किया जा रहा है। लोग उन्हें घमंडी बता रहे हैं। जानिए अल्लू अर्जुन ने आखिर ऐसा क्या किया।

अल्लू अर्जुन का जो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उस वीडियो में अल्लू अर्जुन मुंबई एयरपोर्ट पहुंचते हैं। इस दौरान एंट्री से पहले सीआईएसएफ ऑफिसर अभिनेता से उनके पासपोर्ट में लगी फोटो का मिलान करने के लिए उनसे मास्क हटाने और चेहरा दिखाने के लिए कहते हैं। लेकिन वीडियो में ऐसा दिखता है कि एक्टर ऐसा करने से इंकार करते हैं और सीआईएसएफ ऑफिसर से बहस करते नजर आते हैं।

ायरल वीडियो में अल्लू अर्जुन को टी-शर्ट और ट्रैकसूट पहने एयरपोर्ट पहुंचते हुए देखा जा सकता है। सुरक्षा जांच के दौरान उन्होंने एंट्री गेट पर सीआईएसएफ कर्मियों को अपना पहचान पत्र दिखाया और तभी सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत सीआईएसएफ कर्मियों ने अभिनेता से अपना मास्क उतारने और अपना चेहरा दिखाने को कहा। लेकिन एक्टर को यह बात रास नहीं आई और वो सीआईएसएफ कर्मियों से कुछ बहस करते नजर आए। उनकी टीम के एक सदस्य ने भी बीच-बचाव किया, लेकिन अधिकारी प्रोटोकॉल का पालन करने पर अड़े रहे। इसके बाद अल्लू अर्जुन अपना मास्क थोड़ा उतारकर गार्ड को अपना चेहरा दिखाते हैं फिर ही उन्हें अंदर जाने दिया जाता है। इस वीडियो के सामने आने के बाद अल्लू अर्जुन लोगों के निशाने पर आ गए। सोशल मीडिया पर लोगों ने इस वीडियो को लेकर उनकी आलोचना करना शुरू कर दी। कुछ ने उन्हें घमंडी तक बता डाला। वहीं कुछ यूजर्स ने अल्लू अर्जुन को फिर से गिरफ्तार करने तक की मांग कर डाली।

पुतिन-ट्रंप के बीच शिखर वार्ता से पहले रूस और यूक्रेन अपनी मांगों पर अड़े

कीव/एपी। धमकियां, दबाव एवं अल्टीमेटम आए और चले गए, लेकिन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन युद्ध में रूस की अडिग मांगों से टस से मस नहीं हुए हैं, जिससे यह आशंका बढ़ गई है कि वह अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ एक प्रस्तावित शिखर वार्ता का इस्तेमाल कीव को एक प्रतिकूल समझौते को स्वीकार करने के लिए मजबूर करने के लिए कर सकते हैं। रूस की जो मांगें हैं, वे उन लक्ष्यों को प्राप्त करने के पुतिन के दृढ़ संकल्प को दर्शाती हैं, जो उन्होंने 24 फरवरी, 2022 को यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर आक्रमण शुरू करते समय निर्धारित किए थे। पुतिन, ट्रंप के साथ संभावित बैठक को एक ऐसे व्यापक समझौते पर बातचीत करने के अवसर के रूप में देखते हैं, जो न केवल रूस के क्षेत्रीय लाभ को मजबूत करेगा, बल्कि यूक्रेन को नाटो में शामिल होने और उसे किसी भी पश्चिमी सेना की मेजबानी करने से भी रोकेगा।

स्थापना दिवस

बॉलीवुड सिने स्टार और तृणमूल कांग्रेस सांसद शत्रुघ्न सिन्हा, भोजपुरी सिने स्टार कुणाल के साथ पटना कॉलेजिएट स्कूल के 90वें स्थापना दिवस पर रविवार को पटना में आयोजित सह-पूर्व छात्र सम्मेलन में भाग लेते हुए।

सिर्फ किसी को भाई-बहन कह देने से रिश्ता नहीं बनता : ईशा कोप्पिकर

मुंबई/एजेन्सी

'रक्षाबंधन उपहारों का नहीं, बल्कि उपस्थिति का प्रतीक है': परिवार, समर्पण और चुने हुए रिश्तों पर ईशा कोप्पिकर के विचार मुंबई। अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर के लिए, रक्षाबंधन किसी दिखावे या भव्य सार्वजनिक प्रदर्शन का नहीं है - बल्कि साथ होने, जुड़ाव और भावनात्मक सच्चाई का पर्व है। बचपन में, कोप्पिकर परिवार में यह त्यौहार हमेशा एक निजी उत्सव होता था, जिसे वे अपने माता-पिता और भाई अनोश सहित अपने परिवार के साथ घर पर सादगी से मनाया जाता था। ईशा बताती हैं, हमेशा से यह छोटे-छोटे पलों के बारे में रहा है। यह अब एक परंपरा बन गई है, जबसे मैं बच्ची थी। मम्मी वही खास पकवान बनाती हैं जो सिर्फ वही बना सकती हैं, हम सब अपने फोन और गैजेट्स को एक तरफ रख देते हैं और बस साथ में समय बिताते हैं। वह समय, वह हँसी, वह रिश्ता - यही सब मेरे लिए राखी को इतना खास बनाता है। वह हँसते हुए यह भी कहती हैं कि वह हर साल अपने भाई से वही आम तोहफे मांगती हैं जो ज़्यादातर बहनें मांगती हैं, लेकिन वह तुरंत यह भी स्पष्ट कर देती हैं कि उनके लिए यह त्योहार कभी भौतिक उपहारों के बारे में नहीं रहा। वो तो बस मज़ेदार पल होते हैं, लेकिन जो सच में मायने रखता है वो ये है कि आपका भाई हर हाल में आपके साथ खड़ा हो। ईशा कहती हैं। उनके भाई ने हमेशा उन्हें ताकत दी है, एक ऐसा रिश्ता जिसे वह हल्के में नहीं लेतीं। वह बताती हैं, चाहे बचपन की शरारतें हों या बड़े होने की चुनौतियाँ, वह हमेशा मेरे साथ खड़े रहे है। रक्षा बंधन तोहफों का नहीं, साथ होने का त्योहार है और मेरे भाई ने हर अच्छे-बुरे वक़्त में मुझे अपनी मौजूदगी दी है। क्या चुने हुए रिश्ते भी उतने ही अहम होते हैं? परिवार से आगे बढ़ते हुए, ईशा उन रिश्तों की बात करती हैं जिन्हें उन्होंने खुद चुना है दोस्तियाँ जो भाई-बहनों जैसे मजबूत रिश्तों में बदल गईं।

मिलिंद चंदवानी ने 'पति पत्नी और पंगा' में अविका गौर के लिए बनवाया टैटू

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अविका गौर और उनके मंगेतर मिलिंद चंदवानी इन दिनों रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आ रहे हैं। शो के दौरान मिलिंद ने अविका के लिए टैटू बनवाया, जिस पर अभिनेत्री ने कहा कि यह पल हमेशा उनके लिए खास और यादगार रहेगा। शो के लेटेस्ट एपिसोड में एक बड़ा चैलेंज होगा, जिसमें सभी लड़कों को अपने पार्टनर के लिए टैटू बनवाना है। जब अविका गौर से उनके मंगेतर मिलिंद चंदवानी के टैटू बनवाने को लेकर पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मिलिंद हमेशा कहते थे कि वे एक दिन मेरे लिए ये टैटू जरूर बनवाएंगे, लेकिन मैंने कभी सोचा नहीं था कि ये ऐसे नेशनल टेलीविजन पर, पूरी दुनिया के सामने होगा। यह पल कोई रणनीति का हिस्सा नहीं था, बल्कि यह मिलिंद का सच्चा प्यार था। उन्होंने आगे कहा, मिलिंद को टैटू बनवाते देख मैं भावुक हो गई थी। यह टैटू मेरे लिए बेहद खास है; यह सिर्फ उकेरी गई इंक नहीं है, बल्कि यह मिलिंद की तरफ से मेरे लिए प्यार, वफादारी और एक ऐसा कमिटमेंट है जो शब्दों से परे है। इसने मुझे मेरे लिए मेरी अहमियत का अहसास कराया, मुझे गर्व हुआ, और सबसे बढ़कर मैंने महसूस किया कि मुझे कोई सच्चे दिल से प्यार करता है। अब ये टैटू सिर्फ एक निशान नहीं हैं, बल्कि एक ऐसा लम्हा है जिसे मैं हमेशा अपने दिल के करीब रखूंगी।

रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में मुनव्वर फारुकी और सोनाली बेंद्रे मेजबान के रूप में नजर आ रहे हैं। यह शो 2 अगस्त से कलर्स टीवी पर प्रसारित हो रहा है, जिसमें कई सेलिब्रिटी कपल हिस्सा ले रहे हैं। इनमें हिना खान और रॉकी जायसवाल, रुबीना दिलाइक और अभिनव शुक्ला, अविका गोर और मिलिंद चंदवानी, देबिना बनर्जी और गुरमीत चौधरी, सुदेश लेहरी और ममता लेहरी, गीता फोगाट और पवन कुमार, साथ ही स्वरा भास्कर और फहद अहमद शामिल हैं।

11 जून को अविका ने अपनी 'रोका सेरेमनी' की घोषणा की थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कर लिखा था, उसने पूछा, मैं मुस्कुराई, मैं रोई और अपने जीवन का सबसे खूबसूरत और आसान जवाब यानी 'हां' जोर से कहा। उन्होंने आगे लिखा, 'मैं पूरी तरह से फिल्मी हूंबैकग्राउंड स्कोर, स्लो-मोशन, आंखों में ढेरों सपने, काजल लगाना और सब कुछ। मुझे ये सब चीजें पसंद हैं।

वहीं, मिलिंद तर्कशील, शांत और हर परिस्थिति में फिट होने वाले इंसान हैं। उन्होंने आगे बताया, मैं ड्रामा करती हूं। वह इसे मैनेज करते हैं। इन सब चीजों के बाद हम एक-दूसरे के लिए फिट हैं। इसलिए जब उन्होंने पूछा, तो मेरे अंदर की नायिका जाग गई और मेरे अंदर का प्रेम बाहर दिखने लगा। जवाब देने के दौरान मेरी आंखों में आंसू और दिमाग में एक साथ कई चीजें चल रही थीं, क्योंकि सच्चा प्यार हमेशा नहीं मिलता, लेकिन यह मेरा सच्चा प्रेम है, जो मुझे मिला।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | सोमवार | 11-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के महालक्ष्मी लेआउट के चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य प्रभाकरसूरीश्वरजी की निश्रा में रविवार को चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ महालक्ष्मी लेआउट व कंचनदेवी प्रेमचन्द बम्बोरी परिवार के तत्वावधान में पैलेस ग्राउंड के दि ग्रांड केसल सभागार में सुबह 10.30 बजे से विश्व शांति के लिए श्री पार्श्वनाथ पद्मावती महादेवी महापूजन का आयोजन किया, जिसमें सैकड़ों सजोड़े ने उत्साह व श्रद्धा से भाग लिया।

मानवता के सच्चे मसीहा थे मरुधर केसरी : डॉ वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में डॉ वरुणमुनिजी ने कहा किमहापुरुषों

का जीवन जगत के प्राणी मात्र के लिए एक आदर्श प्रेरणा स्रोत होता है। उन्होंने श्रमण सूर्य मरुधर केसरी मिश्रीमल जी महाराज की 135 वीं जयंती पर उनके बहुआयामी व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मरुधर केसरी मानवता के सच्चे मसीहा थे। उनके सदप्रेरणा में जीवदया, मानव सेवा और गौशाला, स्कूल, कालेज, आदि समाज सेवा, उत्थान में समर्पित अनेकों धार्मिक, सामाजिक, पारमार्थिक संघ संस्थाएं वर्तमान में भी अनेक स्थानों पर सुन्दर रूप से संचालित गतिमान है। लोकमान्य सन्त, वरिष्ठ प्रवर्तक श्री रुप मुनि जी की 98वीं जयंती पर उनके गुणानुवाद करते हुए कहा कि वे आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत महान साधक सन्त शिरोमणि थे। सर्व समाज उन्हें अपना मानकर आदर सेवा सम्मान देती थी। उन्होंने आगे कहा कि संयम, सौम्यता के प्रकाश से समाज एवं राष्ट्र को लाभान्वित करने वाले गुरुदेव श्री सुभद्र मुनि जी महाराज का जन्म वर्ष 1951 में 12 अगस्त को हरियाणा की भूमि रिंढाणा ग्राम में हुआ है। आगम रत्नाकर, महाश्रमण, जैन धर्म प्रभावक, विद्या वाचस्पति आदि अनेक विशेषण एवं उपाधियों से विभूषित व्यक्तिव का नाम है सुभद्रमुनि जी। सुभद्रमुनि जी आगम शास्त्रों, दर्शनों के ज्ञाता,गहन दार्शनिक और सहज कवि हृदय सन्त शिरोमणि रत्न है। प्रारंभ में रूपेश मुनि जी ने अपने विचार व्यक्त किए। संचालन राजेश मेहता ने किया। उप प्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

पैलेस ग्राउंड पर पार्श्वनाथ पद्मावती महादेवी महापूजन में दिखा श्रद्धा का सैलाब

आचार्य प्रभाकरसूरी की निश्रा में आयोजित हुआ महापूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट के चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य प्रभाकरसूरीश्वरजी की निश्रा में रविवार को चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ महालक्ष्मी लेआउट व कंचनदेवी प्रेमचन्द बम्बोरी परिवार के तत्वावधान में पैलेस ग्राउंड के दि ग्रांड केसल सभागार में सुबह 10.30 बजे से विश्व शांति के लिए श्री पार्श्वनाथ पद्मावती महादेवी महापूजन का आयोजन किया, जिसमें सैकड़ों सजोड़े ने उत्साह व श्रद्धा से भाग लिया। गुरु हेमंत, गौरव, धनंजय, जिग्नेश ने विधि विधान करवाया तथा नरेन्द्र वाणीगोता व पायल राणावत ने भजनों की प्रस्तुति दी। एक ओर गायक कलाकारों ने महापूजा में संगीतमय ढंग से अनेक भजनों की प्रस्तुति तो विधिकारकों ने पूजा करने वालों को पूजा की विधि बताते हुए मंत्रोच्चार के साथ उनसे महापूजा करवाई। स्वयंसेवक आवश्यकतानुसार पूजा सामग्री पहुंचाने में तो कार्यकर्ता व्यवस्थाओं में व्यस्त थे। एक ऊंचे मंच पर विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने मूलमंत्रों का उच्चारण करते हुए बीच बीच में महापूजा की महत्ता बताई। उन्होंने कहा कि पार्श्वनाथ व मां पद्मावति सभी मनोरथ पूर्ण करने वाले हैं। उनके नाम स्मरण से ही व्यक्ति के सारे दुख दूर हो जाते है। पूरे सभागार में 'जय जय पार्श्वनाथ व जय जय पद्मावती' के जयघोष गूंजते रहे। सम्पूर्ण सभागार का माहौल भक्तिमय था और महापूजा में भाग लेने आए श्रद्धालु पूजा के विशेष वस्त्रों में प्रभु भक्ति से सराबोर होकर झूमते नाचते नजर आए। शाम तक चले इस महापूजा में विशेष उत्साह देखने को मिला।

महापूजन से पहले सभागार के मुख्य द्वार से संतों के सान्निध्य में वरघोड़ा निकाला गया जिसमें महालक्ष्मीलेआउट संघ के सदस्य, महापूजा में भाग लेने आए श्रद्धालु व अन्य श्रावक श्राविकाएं शामिल हुए। वरघोड़े के पश्चात सभागार में आचार्यश्री की निश्रा में संघ के अध्यक्ष नरेश बम्बोरी व अन्य लाभार्थियों ने कुंभ स्थापना, दीप स्थापना की तथा विभिन्न जोड़ों ने पूरे विधि विधान से पार्श्वनाथ पद्मावति महादेवी महापूजन किया तथा विश्व शांति की कामना की। कार्यक्रम में चिंतामणि पार्श्वनाथ महिला, युवा सहित विभिन्न नवयुवक मंडल के सदस्यों ने कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली।

स्वयं को जानकार अपनी आत्मा का उत्थान का पुरुषार्थ करें : साध्वी इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभाजी ने कहा कि वीतराग परमात्मा ने मात्र आत्मा का महत्व बताया है। प्रभु ने कहा है कि हम मैं और मेरा का अंतर समझें। मैं स्वयं हूं और जिन्हें मैं मेरा कहता हूं वे सब पराए हैं। जगत में मात्र स्वार्थ का साम्राज्य है। जब तक स्वार्थ है, सभी साथी बन जाते हैं। विपत्ति में सब पराए हो जाते हैं। हम अपने आप को समझे और अपनी आत्मा के उत्थान का पुरुषार्थ करें।

साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि इस जीवन को हम एक सुनहरा अवसर समझे। यहां प्राप्त समय मौज मस्ती के लिए नही हैं। प्रभु की वाणी को सुन कर हम आत्मसात करने का प्रयास करें। जन्म से हमें धर्म नहीं मिलता है।

जन्म से विरासत, संप्रदाय, धन मिल सकता है किंतु धर्म तो पुरुषार्थ से मिलता है। नकारात्मक विचार हमारे पतन के कारण है। हम श्रावक है तो श्रावक के कर्तव्य को समझ कर साधु संतों को साता पहुंचाएं। प्रवचन में जय ब्राह्मी बालिका मंडल ने 'प्रकृति से छेड़छाड़ कर स्वयं के विनाश को आमंत्रित करता मानव' विषय पर लघु नाटिका प्रस्तुत की। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। धनपतराज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

जीवन में निर्मलता व स्वभाव में सरलता होनी चाहिए : साध्वी अणिमाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी की निश्रा में साध्वी अणिमाजी ने कहा कि संसार का हर प्राणी सुख की चाहत करता है। सबको सुखमय जीवन बिताने की भावना होती है। ज्ञानी महापुरुषों ने बताया कि जीवन में निर्मलता होनी चाहिए।

सभी के साथ समान व्यवहार हो, कपट, माया से रहित जीवन ही निर्मलता युक्त जीवन है। स्वभाव में शीतलता होनी चाहिए। आनंदानुभूति करने हेतु मन में पवित्रता होना चाहिए, क्योंकि मन प्रतिपल, प्रतिक्षण अशुभ सोचता है। मन में सरलता, सहजता होनी चाहिए। मधुरता हृदय में उदारता का गुण है।

साध्वीश्री दिव्ययशाजी ने कहा कि हम सभी ने सर्वश्रेष्ठ देह (जीवन) पाया है। यह देह संसार के लिए नहीं अपितु साधना के लिए है, क्योंकि इसी शरीर से सम्यक्त्व की प्राप्ति होती है। एक भव अवतारी भी बन सकते है।

मनुष्य जैसा पुरुषार्थ करेगा उसे वैसा ही पुण्य प्राप्त होगा। जीवन के लिए ऑक्सीजन चाहिए, पैसा कमाने के लिए सीजन चाहिए और जीवन उत्थान के लिए सम्यक्त्व चाहिए। सम्यक जीवन जीना है। महासती कंचन कंवरजी ने मांगलिक प्रदान किया। संघ के मंत्री पदमचंद बोहरा ने धन्यवाद दिया।

योगीराज विजय शांतिसूरी गुरु मंदिर के प्रतिष्ठा संबंधी चढ़ावों में दिखा उत्साह

आगामी वर्ष में 19 से 23 फरवरी तक होगा गुरु मंदिर का प्रतिष्ठा महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के समीप अरसीकेरे में स्थित दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ के पूर्ण सहयोग से निर्माणाधीन दक्षिण शांतिसूरी धाम तीर्थ अरसीकेरे में नवनिर्मित योगीराज श्री विजय शांतिसूरि गुरु मंदिर का प्रतिष्ठा महोत्सव आगामी वर्ष में 19 से 23 फरवरी तक मनाया जाएगा, जिसके निमित्त प्रतिष्ठा संबंधी प्रथम जाजम के चढ़ावे बोले जाने हेतु कार्यक्रम का आयोजन आचार्य देवेंद्रसागरसूरीश्वर की निश्रा एवं प्रेरक मनोजकुमार बाबूमल हरण के मार्गदर्शन में रविवार को वीवी पुरम स्थित संभवनाथ जैन भवन में किया गया। सुबह सीमंधर शांतिसूरि जैन मंदिर वीवी पुरम से जाजम लाभार्थी ताराचन्द राठौड़ परिवार के साथ संभवनाथ भवन हेतु जाजम का वरघोड़ा निकाला गया। भवन में शुभ वेला में लाभार्थी परिवार द्वारा जाजम का विधि की गई तथा चढ़ावे प्रारंभ किए गए।

चेयरमैन ताराचंद राठौड़, अध्यक्ष सुरेशकुमार वेदमुथा ने सभी का स्वागत किया। महासचिव विजयकुमार सुराना ने प्रतिष्ठा संबंधी जानकारी दी तथा चढ़ावों के बारे में जानकारी दी।

आचार्य श्री देवेन्द्रसागरसूरीजी ने योगीराजश्री विजय शांतिसूरीजी के जीवन के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि ऐसे महान योगी के मंदिर निर्माण व प्रतिष्ठा में भाग लेना हम सभी का सौभाग्य है। मनोजकुमार हरण के मंदिर के बारे में जानकारी देते हुए जाजम संबंधी चढ़ावे, योगीराज शांतिगुरुदेव प्रतिमा, सरस्वतीदेवी प्रतिमा, पद्मवतीदेवी प्रतिमा एवं गुरुदेव की मंगल मूर्ति प्रतिमा भराना के चढ़ावे, स्वामीवात्सल्य, नाश्ते, विभिन्न उदघाटन एवं प्रतिष्ठा संबंधी चढ़ावे बोले जिसमें शांतिसूरीजी के भक्तों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया तथा उत्साह से विभिन्न लाभ लिए। मुनीम बने संघवी सोहनराज वेदमुथा ने विभिन्न चढ़ावो की जानकारी मंगल पुस्तक में लिखा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जीवदया

बेंगलूरु के अक्कीपेट स्थित जैन हैल्प लाइन सोशियल आर्गेनाइजेशन के सदस्यों ने चिकलालबाग, फ्रीडम पार्क एवं विभिन्न कबूतर खानों पर जाकर कबूतरो को चुग्गा डाला। इस जीवदया कार्यक्रम में कैलाश संखलेचा, जीतू भंडारी, हस्तीमल सोनीगरा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

बसवनगुड़ी दादावाड़ी में जैन धार्मिक लूडो खेल का हुआ आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संत मलयप्रभ सागर जी व साध्वी हर्षपूर्णा श्रीजी के मार्गदर्शन में रविवारीय विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला में जैन धार्मिक लूडो खेल खिलाया गया। साध्वी ने कहा कि आज की नई पीढ़ी को खेल के माध्यम से हंसते-हंसते धर्म के बारे में जानकारी प्रदान कर सकते हैं।

खेलों से युवा पीढ़ी में धर्म के प्रति रुचि पैदा होती है। आज के लूडो कार्यक्रम में दर्शन, ज्ञान, चरित्र और तप नामक चार टीमें बनाई गई जिसमें तप टीम ने बाजी मार कर जीत हासिल की। इस खेल में धर्म से जुड़े तीन सौ से अधिक प्रश्नोत्तर किए गए। सभी सहभागियों ने अच्छी तैयारी का प्रदर्शन करते हुए सभी प्रश्नों का सटीक जवाब दिया।

सेवा कार्य के साथ मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के सेवा भारती ट्रस्ट एवं मातृ छाया संस्था की व्यवस्थापिका रत्ना माता के मार्गदर्शन में रविवार को सबरीनगर में रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मातृछाया की अध्यक्ष कमला गोविंद जोशी ने सेवा भारती संस्था के कार्यों का परिचय दिया। एससी मोर्चा के प्रधान सचिव श्रीनिवास कट्टिमणि व सेवा भारती के हितैषी विनोदकुमार पटवा ने संस्थाओं की महत्त्वपूर्ण सेवाओं की जानकारी दी। सेवा भारती और मातृ छाया के बच्चों ने सभी उपस्थित लोगों को राखी बांधी। पार्षद उमा मुकुंद ने संस्था के कार्यों की प्रशंसा की। सबरी नगर के बच्चों के लिए होम ट्यूटर की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए यह घोषणा कि की सेवाभारती-मातृ छाया के बच्चे स्थानीय निवासियों को निःशुल्क ट्यूशन प्रदान करेंगे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

भक्तामर पूजन दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मयूरयशाश्रीजी की निश्रा में मंदिर प्रांगण में भक्तामर तप के तपस्वियों की तरफ से सामूहिक रूप से भक्तामर पूजन का आयोजन किया जिसमें 44 दिवसीय इस तप में जुड़े 100 से अधिक तपस्वी व अन्य श्रद्धालु शामिल हुए।

नारायणी की रसोई दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नारायणी परिवार की राजेश्वरी मोदी (राज दीदी) की प्रेरणा से गत वर्ष शुरू हुई नारायणी की रसोई के अंतर्गत प्रत्येक माह के दूसरे शुक्रवार को ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन के पास भोजन प्रसाद वितरण किया जाता है। उसी श्रृंखला में श्वेता बियाणी, कान्ता काबरा, बिन्दु गिलड़ा, निर्मला काँकाणी, पुष्पा सारड़ा,, सपना बल्दवा, रीना मित्तल आदि ने भवन के सामने राहगीरों को अन्नदान किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com